Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 94 जयपुर, रविवार, 08 सितम्बर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: '1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

पाक सेना ने कबूला- कारगिल-जंग में हमारे सैनिक मारे गए, पहली बार आर्मी चीफ बोले

हजारों पाकिस्तानियों ने देश और इस्लाम के लिए कुर्बानी दी

■ संजीवनी टुडे

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी आर्मी ने पहली बार कारगिल जंग में अपनी भूमिका की बात स्वीकार की है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने एक कार्यक्रम के दौरान ये माना कि कारगिल जंग में पाकिस्तानी सेना शामिल थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के खिलाफ जंग में मारे गए पाकिस्तान के लोगों के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में मुनीर ने कहा, ''पाकिस्तानी समुदाय बहादुरों का समुदाय है जो ये जानता है कि आजादी की कीमत कैसे चुकानी है। चाहे वो 1948 की जंग हो या 1965, 1971 या 1999 का कारगिल युद्ध, हजारों सैनिकों ने इस्लाम और देश के लिए अपनी जान कुर्बान की। पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने 6 सितंबर को यह बयान दिया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह पहली बार है, जब पाकिस्तानी सेना के किसी अधिकारी ने जंग में पाकिस्तानी सैनिकों के शहीद होने की बात कही है। इससे पहले तक पाकिस्तान ये दावे करता रहा है कि कारगिल जंग कश्मीर के मुजाहिदों ने छेड़ी थी। उसमें पाकिस्तान की कोई भूमिका नहीं थी। वहीं, भारत लगातार यह आरोप लगाता आया है कि कारगिल जंग एलओसी (नियंत्रण रेखा) को बदलकर कश्मीर पर कब्जा करने के लिए पाकिस्तान की सोची-समझी साजिश थी। ये तस्वीर 1999 में कारगिल जंग खत्म होने के बाद की है।

भारतीय सेना ने जवानों की डेड बॉडी सम्मान के साथ वापस की थी

भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के मारे गए जवानों की डेड बॉडी सम्मान के साथ उन्हें वापस की थीं। भारतीय सेना के पूर्व ब्रिगेडियर एमपीएस बाजवा का दावा है कि उस वक्त वीडियो बनाया गया था, ताकि साबित हो सके कि पाकिस्तानी सेना भारतीय सीमा में घुसी थी। पाकिस्तानी सेना ने कारगिल की पहाड़ियों पर बनाए थे ठिकाने कारगिल में लड़ाई की शुरुआत तब हुई, जब पाकिस्तानी सैनिकों ने यहां ऊंची पहाड़ियों पर चुपचाप कब्जा कर अपने ठिकाने बना लिए थे। 8 मई 1999 को कारगिल की आजम चौकी पर पाकिस्तान के करीब 12 जवानों ने कब्जा कर लिया था। इन पाकिस्तानी सैनिकों को एक भारतीय चरवाहे ने देखा था। इस चरवाहे ने भारतीय सेना के जवानों को पाकिस्तानी सैनिकों के घुसपैठ की सूचना दी। इस तरह भारत को पहली बार घुसपैठ की जानकारी मिली। अभी तक भारत समझ रहा था कि थोड़े बहुत आतंकियों ने ही कश्मीर की घाटी पर कब्जा किया है, इसलिए भारत ने चंद सैनिकों को ही इन्हें खदेड़ने के लिए भेजा।

रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस ने अपना रूस दौरा रद्द कर दिया था

भारतीय सेना पर अलग-अलग चोटियों से जवाबी हमले हुए तब पता चला कि ये एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। भारत के तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस ने अपना रूस दौरा रद्द कर दिया था। भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय की तैयारी शुरू की। पाक सैनिक ऊंची पहाड़ियों पर बैठे थे, इस वजह से भारतीय सैनिकों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। भारतीय जवानों ने दुश्मन की नजर से बचने के लिए रात में मुश्किल चढ़ाई की। शुरुआत में भारतीय सेना को इसी वजह से खासा नुकसान उठाना पड़ा। भारत ने मिग-29 और मिराज 2000 से पाकिस्तानी सैनिकों पर गिराए थे बम इस युद्ध में वायुसेना और नौसेना की भी बड़ी भूमिका रही। वायुसेना ने मिग-29 और मिराज - 2000 विमानों के जरिए पाक सैनिकों पर बम बरसाए। इस दौरान पाकिस्तान ने हमारे दो लड़ाकू विमान मार गिराए थे, जबकि एक क्रैश हो गया था। नौसेना ने ऑपरेशन तलवार चलाया। इसके तहत कराची समेत कई पाक बंदरगाहों के रास्ते रोक दिए गए, ताकि वह कारगिल युद्ध के लिए जरूरी ईंधन की सप्लाई न कर सके। साथ ही भारत ने अरब सागर में अपने जहाजी बेड़े को लाकर पाकिस्तान के समुद्री व्यापार रास्ते को भी बंद कर दिया था। बोफोर्स तोपों ने बदला जंग का रुख इस युद्ध में एक निर्णायक मोड़ तब आया जब भारत ने बोफोर्स तोपों को भी युद्ध मैदान में उतारने का फैसला लिया।

रामूराम के बेटा-बेटी बोले- अभी कई एसआई ट्रेनिंग में

पिता समेत दोनों को कोर्ट में पेश किया, पूछताछ में माना नकल की थी

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। सब इंस्पेक्टर भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य रामू राम राईका को पिछले रविवार को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले एसओजी ने शनिवार को राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) से 5 ट्रेनी एसआई को हिरासत में लिया था। इनमें रामू राम राईका के बेटा-बेटी भी शामिल थे। 7 सितंबर शनिवार को रामूराम राईका को उसके बेटे देवेश और शोभा राईका समेत 5 ट्रेनी एसआई को एसओजी कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सभी 6 आरोपियों को 10 सितंबर तक रिमांड पर भेज दिया है। एसओजी ने कोर्ट में बताया कि कैसे राईका ने मिली भगत कर पेपर लीक किया था। वहीं रिमांड एसओजी को पूछताछ में इन आरोपियों ने ये भी बताया कि अब भी फर्जी तरीके से परीक्षा पास कर चुके एसआई आरपीए में ट्रेनिंग ले रहे हैं। एसओजी से मिली जानकारी के अनुसार राईका ने रिमांड में कई परीक्षाओं के पेपर लीक से जुड़ी कई जानकारी एसओजी से शेयर की है। इसमें पूछा गया कि कैसे पेपर लीक किया जाता था ? इसके पीछे कौन लोग शामिल है ? इन सवालों पर पूर्व सदस्य राईका ने एसओजी को कई इनपुट

दिए है, जिसे अब वैरिफाई करवाया जा रहा है। वहीं 5 ट्रेनी एसआई ने भी कई अहम जानकारी एसओजी को दी है। बताया जा रहा है कि इसमें सबसे बड़ा इनपुट ये मिला है कि अब भी आरपीए में ऐसे एसआई ट्रेनिंग कर रहे हैं जो नकल या किसी ओर माध्यम से परीक्षा पास कर ट्रेनिंग तक पहुंचे। एसओजी इन पांचों एसआई से मिली जानकारी के बाद उसे वैरिफाई कर रही है। सूत्रों के अनुसार आने वाले कुछ दिनों में एसओजी एक बार फिर से आरपीएस में जाकर ट्रेनी एसआई पर कार्रवाई कर सकती हैं। सब इंस्पेक्टर भर्ती 2021 में पेपर लीक के मामले में एसओजी अब तक 42 चयनित ट्रेनी एसआई और पेपर लीक गैंग से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी कई ट्रेनी एसआई एसओजी के रडार पर चल रहे हैं।

कोर्ट बोला-क्या कोलकाता रेप-मर्डर के आरोपी को जमानत दे दें

सरकारी वकील 40 मिनट लेट पहुंचे, जज नाराज, सीबीआई के जांच अधिकारी भी नदारद

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। कोलकाता की सियालदह कोर्ट ने शुक्रवार (6 सितंबर) को आरजी कर रेप-मर्डर केस के आरोपी संजय रॉय की जमानत याचिका खारिज कर दी। उसे 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा। संजय पर ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर का आरोप है। उसे 9 अगस्त को घटना वाले दिन की गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट में चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पामेला गुप्ता ने सुनवाई की। संजय का केस कविता सरकार लड़ रही हैं। एडवोकेट दीपक पोरिया बंगाल सरकार की तरफ से हैं। सुनवाई के दौरान मजिस्ट्रेट गुप्ता ने कहा- क्या मुझे कोलकाता रेप-मर्डर के आरोपी को जमानत देनी चाहिए। दरअसल, शुक्रवार शाम 4.20 पर कोर्ट की कार्यवाही शुरू हुई। संजय की वकील कविता ने दलीलें दी। लेकिन सरकारी वकील दीपक पोरिया कोर्ट नहीं पहुंचे। जज को बताया कि वे देरी से आएंगे। कोर्ट ने करीब करीब 40 मिनट तक दीपक का इंतजार किया। मजिस्ट्रेट पामेला गुप्ता ने नाराजगी जताई और कहा कि सीबीआई का ये रवैया सुस्त और बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सुनवाई के दौरान एउक्रके जांच अधिकारी भी कोर्ट में गैरहाजिर रहे। टीएम्मसी ने बीजेपी और सीबीआई पर हमला बोला सियालदाह कोर्ट की घटना पर टीएमसी ने बीजेपी और सीबीआई पर निशाना साधा।

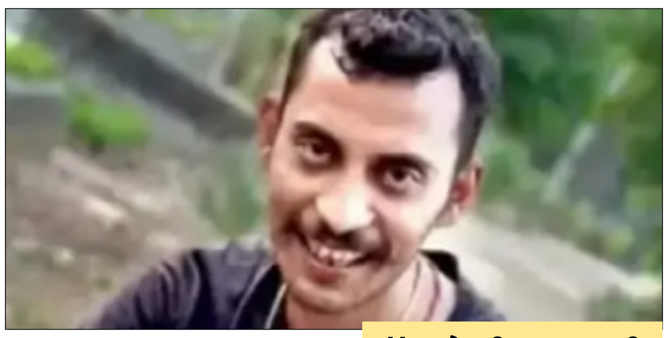

पार्टी ने आरोप लगाया कि न्याय को नुकसान पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर जांच को कोलकाता पुलिस से सीबीआई को सौंपा था। टीएमसी की नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा, ''अदालत नाराज हो गई, इंतजार करती रही, फिर भी कोई नहीं आया। हम पूछना चाहते हैं कि क्या हुआ। विपक्ष इस पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहा है सीबीआई को जांच का जिम्मा संभाले 24 दिन और 570 घंटे से अधिक समय हो गया है, नतीजा क्या रहा पूरा देश पूछ रहा है। इससे पता चलता है कि सीबीआई मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है। आरजी कर में मरीज की मौत, परिवार बोला- अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं था हुगली के कोन्नगर के रहने वाले 28 साल के बिक्रम भट्टाचाजी को गंभीर हालत में शुक्रवार को आरजी कर लाया गया था।

डॉक्टरों की लापरवाही से मौत नहीं हुई

जब हम बेटे को आरजी कर लाए तो कोई डॉक्टर नहीं मिला। इमरजेंसी वार्ड में भी डॉक्टर नहीं था। बेटे को तुरंत सर्जरी की जरूरत थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और मेरे बेटे की जान चली गई। वहीं, महिला के आरोप पर आरजी कर की मेडिकल सुपरिटेंडेंट और वाइस प्रिंसिपल डॉ. सप्तर्षि चटर्जी ने कहा कि डॉक्टरों की लापरवाही से मौत नहीं हुई। बिक्रम को तुरंत ट्रॉमा केयर ले जाया गया था। उसके सिर और शरीर में गंभीर चोट थी। उसके सीटी स्कैन की तैयारी की जा रही थी। तभी बिक्रम की मौत हो गई। अब इस घटना पर राजनीति हो रही है। बीजेपी टीएमसी पर आरोप लगा रही है।

असम में आधार के लिए गटए रसीद जरूरी: सीएम सरमा बोले

घुसपैठियों को रोकने में मदद मिलेगी, धुबरी में आबादी से ज्यादा आधार कार्ड मिले

■ संजीवनी टुडे

गुवाहाटी। असम में अब सभी नए आधार कार्ड आवेदकों को अपने नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स आवेदन की रसीद नंबर जमा करनी होगी। यह घोषणा शनिवार (7 सितंबर) को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने की है। उन्होंने कहा कि राज्य में इस कदम से अवैध घुसपैठियों को रोकने में मदद मिलेगी। राज्य में 1 अक्टूबर से नई प्रक्रिया लागू की जाएगी। इसमें चाय बागान क्षेत्रों को छूट मिलेगी। हालांकि, जिन 9.55 लाख लोगों की बायोमेट्रिक जानकारी गटए प्रक्रिया के दौरान लॉक कर दी गई थी, उन्हें इस नियम से नहीं गुजरना पड़ेगा। सीएम ने बताया कि धुबरी जिले में आबादी से ज्यादा आधार कार्ड जारी किए गए थे। ऐसे में आशंका है कि कुछ संदिग्ध लोगों को भी आधार कार्ड मिला हो। इसी के बाद यह कदम उठाया गया है। असम में इस साल 54 अवैध प्रवासी मिले जनवरी 2024 से अब तक राज्य में 54 अवैध प्रवासियों की पहचान की गई है, जिनमें से अधिकांश करीमगंज, बोगाईगांव, हाफलोंग और धुबरी जिलों में पाए गए हैं। इनमें से 45 लोगों को उनके देश वापस भेज दिया गया है, जबकि 9 को करीमगंज में गिरफ्तार किया गया।

असम में सरकारी नौकरी के लिए वहीं जन्म होना जरूरी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने 4 अगस्त को तीन बड़े ऐलान किए। पहला यह कि जल्द ही असम में सरकारी नौकरी उन्हीं लोगों को मिलेगी, जो असम में ही पैदा हुए हैं। दूसरा, लव-जिहाद के मामले में दोषी को उम्रकैद की सजा दी जाएगी। तीसरा, असम सरकार ने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच जमीन की बिक्री के संबंध में भी फैसला लिया है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से हो रहे अवैध प्रवास को रोकने के लिए पुलिस और बीएसएफ को कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत सीमा से लगे जिलों में अतिरिक्त बलों की तैनाती की जाएगी। साथ ही सीमा चौकियों पर गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। स्थानीय लोगों को भी जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दे सकें। असम में 43 साल में पकड़े गए 47,900 विदेशी घुसपैठिए असम में सीमा पार से घुसपैठियों कि संख्या लगातार बढ़ रही है। राज्य सरकार ने 22 अगस्त को कहा कि 1971 से 2014 तक राज्य में 47,900 से ज्यादा विदेशी पकड़े गए। सीएम सरमा ने बताया कि पकड़े गए विदेशियों में 27,309 मुस्लिम, 20,613 हिंदू और छह अन्य धर्मों के थे। कछार में सबसे ज्यादा विदेशी पकड़े गए।

देश के 25 हाईकोर्ट में 58 लाख केस पेंडिंग

■ संजीवनी टुडे

62 हजार मामले पिछले 30 साल से लंबित, 3 केस 72 साल पुराने

नई दिल्ली। देश के पेंडिंग मामलों को लेकर नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड की रिपोर्ट आई है, जिसके बताया गया है कि भारत के कुल 25 हाईकोर्ट में 58 लाख 59 हजार केस पेंडिंग हैं। इनमें से करीब 42 लाख केस सिविल और 16 लाख केस क्रिमिनल नेचर के हैं। इन 58 लाख में से 62 हजार मामले 30 साल से लंबित हैं। वहीं, 3 केस 72 साल से चल रहे हैं। इन 3 में से 2 केस कलकत्ता हाईकोर्ट और 1 केस मद्रास हाईकोर्ट में पेंडिंग है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के सभी कोर्ट्स (सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट समेत अन्य कोर्ट) में 5 करोड़ से ज्यादा मामले लंबित हैं। सभी राज्यों के लोअर कोर्ट्स में कुल 4.34 करोड़ केस लंबित हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश 1.09 करोड़ में पेंडिंग हैं, इसके बाद दूसरा स्थान महाराष्ट्र का है, जहां 49.34 लाख केस पेंडिंग हैं। आंकड़े बताते हैं कि निचली अदालतों में पेंडिंग 70 हजार 587 क्रिमिनल केस 30 साल से ज्यादा पुराने हैं। वहीं, 36 हजार 223 सिविल केस 30 साल से ज्यादा वक्त से पेंडिंग हैं। पिछले 10 साल में बढ़े 46 लाख पेंडिंग केस कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि पिछले 10 साल में सिविल और क्रिमिनल पेंडिंग केस की संख्या जिला स्तर पर 34 लाख से ज्यादा और हाई कोर्ट में 12.5 लाख से ज्यादा है। सुप्रीम कोर्ट में कुल 11 हजार मामले पेंडिंग हैं। 6% आबादी पेंडिंग केस से प्रभावित सुप्रीम कोर्ट ने पेंडिंग केस को लेकर 20 अक्टूबर में सुनवाई की थी। इसमें जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने कहा था कि एक डेटा के मुताबिक, देश में 6% आबादी मुकदमेबाजी से प्रभावित है। यह चिंताजनक स्थिति है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 अक्टूबर को पांच साल से ज्यादा समय से पड़े पेंडिंग केस को निपटाने के लिए चीफ जस्टिस को कमेटी बनाने के लिए कहा था, जो लगातार इन पर निगरानी कर सके। कोर्ट का कहना है कि न्याय की उम्मीद से लाखों लोग याचिका दायर करते हैं।

भाजपा नेता बृजभूषण बोले- विनेश फोगाट और बजरंग खलनायक

दोनों ने पूरे सिस्टम को हाईजैक किया, बजरंग पूनिया बोले- हिम्मत है तो हरियाणा आएं

■ संजीवनी टुडे

पानीपत। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने पूर्व पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को खलनायक कहा है। उन्होंने कहा, 'वो खलनायक हैं हरियाणा के, विशेषकर खिलाड़ियों के।' बृजभूषण ने आगे कहा कि बजरंग पूनिया ने अपनी पत्नी का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया। विनेश फोगाट ने ट्रायल में हिस्सा लेकर नियम तोड़े। खिलाड़ी एक ही दिन में 2 भार वर्ग में ट्रायल नहीं दे सकता। गलत ट्रायल देकर जूनियर पहलवानों के अधिकार छीन लिए। उन्होंने पूरी व्यवस्था को हाईजैक कर लिया। उन्होंने जो वजन यहां छिपाया, वही पेरिस ओलिंपिक में उनकी हार का कारण बना। आज अगर महिला एथलीट सिर ऊंचा करके नहीं चल सकतीं तो इसका कारण बजरंग, विनेश, भूपेंद्र हुड्डा और कांग्रेस पार्टी है। वहीं बजरंग पूनिया ने कहा, 'हिम्मत है तो बृजभूषण सिंह हरियाणा आकर दिखाएं। यहां आपका स्वागत है। यहां आकर चुनाव प्रचार करें। यहां की जनता तय करेगी कि आपका किस तरह स्वागत किया जाएगा। मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा, सिर्फ विनेश ही चुनाव लड़ रही है।

बजरंग-विनेश के खिलाफ प्रचार करूंगा: बृजभूषण

बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट के कांग्रेस में शामिल होने के बाद बृजभूषण सिंह ने कहा, 'मैं पहले ही कहता था कि ये दोनों (बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट) कांग्रेस के हाथ में खेल रहे हैं। दोनों कांग्रेस की ही कठपुतली हैं। मैं भाजपा हाईकमान से अपील करूंगा कि मुझे हरियाणा में चुनावी प्रचार-प्रसार के लिए भेजा जाए। मैं हरियाणा में विनेश के खिलाफ प्रचार करूंगा। वहीं एक मीडिया चैनल से बातचीत में भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि पूरा देश जानता है कि ये पूरा आंदोलन कांग्रेस के इशारे पर हो रहा था। इसकी पटकथा कांग्रेस कार्यालय में लिखी गई। इसका

मास्टरमाइंड दीपेंद्र हुड्डा का परिवार था। इस विरोध की नींव उस दिन रखी गई थी, जब प्रधानमंत्री ने बृजभूषण शरण सिंह की तारीफ करते हुए कहा था कि कुश्ती सुरक्षित हाथों में है।' एक दिन पहले शुक्रवार को बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट कांग्रेस में शामिल हुए थे। जिसके बाद बृजभूषण सिंह ने बजरंग और विनेश पर निशाना साधा। संजय सिंह ने आगे कहा कि ये पूरी साजिश इसलिए भी रची गई, क्योंकि ओलिंपिक में कुश्ती के 4-5 मेडल आने वाले थे। विरोध का असर उन मेडल पर भी पड़ा। ओलिंपिक वर्ष में 2 साल तक कुश्ती की कोई गतिविधि नहीं हुई। हमारे पहलवान अभ्यास नहीं कर पाए। अब ये (बजरंग-विनेश) कांग्रेस में शामिल हो गए। बृजभूषण शरण सिंह भाजपा से जुड़े थे, मैं किसी पार्टी या व्यक्ति से जुड़ा नहीं हूं, लेकिन उन्होंने मेरा भी विरोध किया। इसलिए यह पूरा विरोध राजनीति से प्रेरित था।

उपराष्ट्रपति बोले-2017 से पहले यूपी डर की चपेट में था

योगी की तारीफ की, कहा-नजर गिद्ध जैसी, मेरे ससुर से ज्यादा मुझ पर होमवर्क किया

■ संजीवनी टुडे

गोरखपुर। गोरखपुर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सीएम योगी की तारीफ की। कहा-वैसे तो योगी की दृष्टि पैनी है, लेकिन मेरे मामले में गिद्ध जैसी रही है। मेरी पढ़ाई के बारे में इतना बड़ा होमवर्क कर लिया, जितना मेरे ससुर ने भी नहीं किया था। धनखड़ ने कहा- 2017 से पहले उत्तर प्रदेश डर की चपेट में था। आम आदमी परेशान था। कानून का राज नजर नहीं आता था। उपराष्ट्रपति ने शनिवार को 176 करोड़ की लागत से तैयार सैनिक स्कूल का इनॉगरेशन किया। इस दौरान सीएम योगी भी उनके साथ मौजूद रहे। सीएम और धनखड़ ने स्कूल की शूटिंग रेंज में पिस्टल से निशान लगाया। दोनों ने कई राउंड निशाना लगाया। सीएम योगी ने स्कूल में रखी मशीनगन और हाईटेक हथियारों को उठाकर देखा। योगी ने कहा कि देश का पहला सैनिक स्कूल 1960 में लखनऊ में स्थापित किया गया था। इसके बाद 1961 में 5 और सैनिक स्कूल स्थापित हुए। इन्हीं पांच सैनिक स्कूलों में चित्तौड़गढ़ का भी स्कूल था, जिसमें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी ने पढ़ाई की। योगी ने कहा- मैं देख रहा था कि उपराष्ट्रपति ने स्कूल की एक-एक सुविधाओं का बारीकी से देखा। जब वह स्कूल के मुख्य भवन का उद्घाटन करने गए तो ऐसा लगा जैसे वे स्वयं सीनियर छात्र के रूप में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हों, ये सब भावनात्मक क्षण था। योगी के इसी बयान पर धनखड़ ने कहा कि योगी की नजर मेरे मामले में गिद्ध जैसी रही। उपराष्ट्रपति ने कहा- 2017 से पहले देश का सबसे बड़ा प्रदेश (उत्तर प्रदेश) किस चपेट में था। डर की चपेट में था। शासन शिथिल था। आम आदमी परेशान था। कानून का राज नजर नहीं आता था। आपने पहचान बदलकर ख्याति प्राप्त की है। तब भारत की स्थिति क्या थी मैं मंत्री था। मैंने तो खुद देखा है। सोने की चिड़िया कहलाने वाले देश का सोना हवाई जहाज से स्विटजरलैंड के दो बैंकों में गिरवी रखा गया।

राजस्थान के गणेश मंदिरों में लगीं भक्तों की कतारें

चांदी के सिंहासन पर विराजे मोतीडूंगरी गणेश, त्रिनेत्र गणेश की राह में उफान पर बनास

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। आज प्रदेश के मंदिरों में गणेश चतुर्थी की धूम है। गणेशोत्सव को लेकर मंदिरों में उत्सव का माहौल है। जयपुर मोती डूंगरी गणेश मंदिर में तीन दिवसीय मेला चल रहा है। मंदिर में दर्शन के लिए दूर दूर से पदयात्री देर रात से ही आने शुरू हो गए। मंदिरों में सुबह ही भगवान के अभिषेक के बाद पट खोल दिए गए। दर्शन के लिए भक्तों की कतारें लगी हुई हैं। जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी का मेला भरा है। सुबह मंगला आरती से ही भक्तों की कतारें देखी जा रही हैं। महंत पंडित कैलाश शर्मा ने बताया- भगवान को सोने का मुकुट, नौलखा हार पहनाया है। चांदी के सिंहासन पर विराजमान किया है। दर्शन के लिए 6 लाइन बनाई गई हैं। रामनिवास बाग में वाहन पार्क करने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर के आसपास तक लाने के लिए बस-ई रिक्शों की व्यवस्था की है। बस से दर्शनार्थी को त्रिमूर्ति सर्किल तक आ सकेंगे। आगे पैदल जाना होगा। दूसरे पार्किंग स्थलों पर ई-रिक्शा की सुविधा मिलेगी। मंदिर की ओर से 30 ई-रिक्शा लगाए हैं।

जैसलमेर के चूंधी गणेश मंदिर में भक्तों की कतारें

जैसलमेर शहर से 12 किमी दूर चूंधी गांव में भगवान गणेश के मंदिर में दर्शन करने के लिए भक्तों की कतारें लगी हैं। यहां मंदिर में भव्य सजावट की गई है। रेगिस्तान के धोरों में काक नदी के किनारे इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि भगवान गणेश अपने मकान की मन्नत पूरी करते हैं। लोगों का मानना है कि यहां हर मन्नत पूरी होती है। मंदिर 1400 साल पुराना बताया जाता है। कहते हैं कि काक नदी के बरसाती वेग से गणेश भगवान की मूर्ति प्रकट हुई थी।

दशकों से यहां पूजा अर्चना की जा रही है। बारिश के दिनों में काक नदी का पानी इस मंदिर में मूर्ति का जलाभिषेक करते हुए निकलता है। इसके बाद भी प्रतिमा का स्वरूप नहीं बदला है। यहां रूट बंद- त्रिमूरति सर्कल से जेडीए सर्कल के बीच, आरबीआई तिराहा से गणेश मंदिर के बीच तख्तेशाही रोड, धर्म सिंह सर्कल से गणेश मंदिर की तरफ वाहनों का आवागमन बंद है। नारायण सिंह तिराहा से त्रिमूरति सर्कल की ओर जाने वाले ट्रैफिक को नारायण सिंह तिराहा से सीधा पृथ्वीराज टी पॉइंट की ओर से डायवर्ट किया है। यहां पार्क न करें वाहन- त्रिमूरति सर्कल से राजापार्क चौराहा तक गोविंद मार्ग और रामबाग चौराहा से जेडीए चौराहा तक, जेडीए चौराहा से तुलसी सर्कल तक,आरोग्य पथ से गांधी सर्कल (जेएलएन मार्ग पर), पृथ्वीराज टी पॉइंट से रामबाग तक (टोंक रोड), पार्किंग बैन है।

खबरें फटाफट

कला संगम की ओर से कामां में 9 सितंबर को किया जाएगा महाराजा भर्तृहरि नाटक का मंचन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कला संगम राजगढ़ द्वारा 9 सितंबर को कामां के कामसेन स्टेडियम में महाराज भर्तृहरि नाटक का मंचन किया जाएगा। संस्था की संरक्षक किशोर मुखर्जी ने बताया कि कामां कस्बे में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले भोजन थाली परिक्रमा मेले में कामां नगर पालिका के माध्यम से कला संगम का महान धार्मिक नाटक महाराज भर्तृहरि के मंचन हेतु दूसरी बार आमंत्रित किया है। नाटक के सफल मंचन हेतु संस्था अध्यक्ष बृजेंद्र अवस्थी व निर्देशक यश कटारिया के निर्देशन में रिहर्सल एवं सचिव जगमोहन शर्मा व सुभाष कुक्कन की देखरेख में अन्य कार्य की तैयारी करवाई जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व संस्था द्वारा पांच बार राजगढ़ से बाहर महाराज भर्तृहरि नाटक का मंचन किया जा चुका है। इस बार यह 57 वा मंचन होगा। जिसमें लगभग सभी कलाकार स्थानीय हैं।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान में मिली राशि विद्यालय को की भेंट

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। उपखंड क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बडला के शिक्षक दिनेश कुमार सैनी का राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित होने के बाद विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय स्टाफ के द्वारा माला व साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय पंहुचने पर श्रीचंदपुरा क्षेत्र के समस्त विद्यालयों के स्टाफ,मित्रो और ग्राम वासियों के द्वारा सम्मानित किया गया। शिक्षक दिनेश कुमार सैनी ने बताया कि राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान विद्यालय के समस्त बच्चों,विद्यालय और पूरे क्षेत्र का है।आप सभी के प्यार और सहयोग से ये सम्मान मिला है और इस सम्मान से प्राप्त इक्कीस हजार रुपए की राशि विद्यालय को देने की घोषणा की।

काली पहाड़ी गांव में बारिश से ढ़हा कुंआ

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। पंचायत समिति के समीपवर्ती काली पहाड़ी गांव में शनिवार को लगातार हो रही बारिश से कुंआ ढ़ह गया। स्थानीय ग्रामीण रामदयाल मीना, ओमप्रकाश मीना, पप्पूराम मीना ने बताया कि ग्राम काली पहाड़ी में स्थित भैरू बाबा के पास बना कुंआ लगातार हो रही बारिश से शनिवार को 4 बजे के लगभग ढ़ह गया जिसमें मोटर सहित अनेक सामान कुएं गिर गये। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कुएं के पास ही भैरू बाबा का मंदिर बना हुआ है। जो कभी भी ढ़ह सकता है। जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

खाई में भरा पानी, मौसमी बीमारियों का अंदेशा

■ संजीवनी टुडे

मेनार। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से इन दिनों मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत खरसाण के हनुमान जी मंदिर के सामने सालों पुरानी खाई बनी हुई हैं, जो करीब पौन बीघा में फैली हुई है। यह खाई अभी गंदे एवं बरसाती पानी से भरी हुई है। खाई आबादी क्षेत्र में है, जिसके चारों ओर ग्रामीण निवास कर रहे हैं। इससे बारिश के मौसम में डेंगू सहित मौसमी बीमारियां तेजी से फैल रही है। ग्रामीणों को इससे भारी खतरा है। ग्रामीणों ने इस संबंध में प्रशासन ने मांग की, लेकिन अभी तक इससे निपटने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। खाई को मिट्टी से भरने की मांग की गई, लेकिन अभी तक कुछ भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। अभी यह खाई पूरी तरह से गंदे पानी से भरी हुई है और ढेर सारा कचरा पड़ा हुआ है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति के अधिकारियों से इस खाई को मिट्टी से भरने एवं पानी के निस्तारण की मांग की गई है। खरसाण ग्राम विकास अधिकारी लक्ष्मी मेघवाल ने बताया कि उच्च अधिकारियों से चर्चा कर समस्या का निस्तारण जल्द किया जाएगा। विकास अधिकारी सुनील चौहान ने बताया कि जानकारी में अब आया है, मैं मामले को दिखवाकर समस्या का समाधान करवाता हूं। इधर, उपखंड अधिकारी हुकुम कुंवर राव ने बताया कि इस मामले को लेकर विकास अधिकारी से बात की है, अभी मच्छर आदि नहीं फैले, बचाव के लिए छिड़काव करवाते हैं और समस्या का भी जल्द निस्तारण करवाया जाएगा।

श्री गणेश पालकी व प्रतिमाओं के स्थापना के साथ हुआ गणेश महोत्सव का आगाज

नगर के विभिन्न गणपति महोत्सव पांडालो मे प्रथम महाआरती मे उमडी श्रृदालुओ की भारी भीड

■ संजीवनी टुडे

दस दिनो तक समुचे नगर मे बहेगी गणेश भक्ति की लहर

पिण्डवाडा। नगर के मुख्य बाजार स्थित श्री शक्तिमाता चौक प्रांगण में हर वर्ष की भांति शिवसैना के तत्वाधान में भव्य सार्वजनिक गणेश महोत्सव का आगाज गणेश पालकी के साथ प्रतिमा स्थापना के साथ किया गया। इसी क्रम में आमली रोड पर दैनिक नवज्योति मिडिया परिवार एवं विभिन्न गणपति महोत्सव संगठनो के तत्वाधान मे भगवान गणेशजी के जन्मोत्सव पर्व पर गणेश प्रतिमाओं के स्थापना के साथ ही समुचे क्षेत्र मे गणेश भक्ति की लहर चलने लगी है।

वही नगर के गलीयो एवं चौराहो मे गणपति महोत्सव की धुम व देर रात तक श्रृदालुओ की चहल-पहल से मेले सा मॉहौल बनना भी शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार धार्मिक नगरी पिण्डवाडा में गणेश चर्तुर्थी के दिन से दस दिवसीय भव्य गणेश महोत्सव का शुभारम्भ हर्षोल्लास पुर्वक किया गया है। गणेश महोत्सव को लेकर भक्तगणों में भारी उत्साह बना हुआ है, जिसको लेकर सुबह-शांम गणपति पाण्डालों में गणेश आरती के साथ भक्तगण झुमते नजर आते है। नगर के मुख्य बाजार में शिवसेना के तत्वाधान में लगातार 34 वां भव्य महोत्सव का आगाज शनिवार को श्री गणेशपालकी के साथ प्रतिमा स्थापना के साथ किया गया। इसी क्रम में दैनिक नवज्योति परिवार की ओर से आमली रोड पर 24 वां सार्वजनिक गणेश अनुष्ठान का आयोजन श्रृदालुओं द्वारा विधिविधान से भगवान गणेशजी की स्थापना की गई। स्थापित गणेश प्रतिंमा पांडाल में शांम होते ही घर-घर से महिला व भक्तगण आरती सजा कर लाती है और गणेश प्रतिंमा के समक्ष मंत्रमुंग्ध होकर भक्ति में तल्लीन रहती है। इसी क्रम में इसी तरह नगर के सरियादेवी मंदिर में प्रजापत युवा मंडल, इंदिरा कॉलौनी में राजपूत समाज के युवा मंडल,रावल गली,गदाधर मंदिर,रामदेव मंदिर डापावास में मेघवाल समाज,हिरागर वास,सहित नगर एवं आस-पास गावों में छोटी बडी पांच सौ अधिक प्रतिमाएं गली-गली व चौराहों पर विधि पुर्वक स्थापित की गई। नगर एवं आस-पास हर गांव एवं गली-गली में शांम होते ही गणेश पाण्डालों में कोई गरीबा नृत्य पर थिरकता है तो कोई गणेश भजनों पर थिरकता देखा जा रहा है।

पाण्डूपोल हनुमान जी के उमड़ी भीड़

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। शनिवार को पाण्डूपोल हनुमान जी के श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। गौरतलब है कि 10 सितंबर को पाण्डूपोल हनुमान जी महाराज का लक्खी मेले का भरेगा। मंदिर महंत परिवार के सदस्य महेश जोशी ने बताया कि शनिवार को रामायण पाठ प्रारंभ हुआ। उन्होंने बताया कि 9 सितंबर से मेला प्रारंभ होगा। मंगलवार को मुख्य मेला भरेगा जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। मेले में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान सहित अनेक जगह से लाखों की संख्या में लाखों दर्शन के लिए आते हैं। मेले की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। मेले के दौरान मंदिर को आकर्षक फुलों व रोशनी से सजाया जा रहा है। मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पैदल तथा दडौती देते हुए आते हैं। शनिवार को बारिश के बावजूद भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पाण्डूपोल हनुमान जी के दर्शन किए। जिले के ऐतिहासिक पांडुपोल हनुमान मंदिर एवं लोकदेवता भर्तृहरिधाम का लक्खी मेला 9 से 12 सितम्बर तक भरेगा। जिला पुलिस, वन विभाग, सरिस्का एवं रोडवेज प्रशासन ने मेले के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। रोडवेज प्रशासन इस बार पांडुपोल एवं भर्तृहरि मेले के लिए 80 मेला स्पेशल बसों का संचालन करेगा। इन मेला स्पेशल बसों का संचालन 9 सितम्बर से शुरू होगा और 12 सितम्बर तक चलेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गौवंश की सेवा करते हुए पायलट का मनाया जन्मदिन

■ संजीवनी टुडे

पिण्डवाड़ा। राजस्थान में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एवं पुर्व -मुख्यमंत्री पद के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव बने टोंक विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित विधायक सचिन पायलट का जन्मदिन शनिवार को सिरोही मुख्यालय पर कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष जीवाराम आर्य के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने गौवंश की सेवा करते हुए घूमधाम से मनाया। जिला मुख्यालय स्थित अर्बुदा गौशाला में कांग्रेस पार्टी के बैनर तले आयोजित पायलट के जन्मोत्सव कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस नेता जीवाराम आर्य ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सचिन पायलट को देश में कश्मीर से कन्याकुमारी तक युवा अपना आदर्श मानते हैं।

देश के हर कोने में सचिन पायलट की एक जैसी लोकप्रियता है। आर्य ने कहा कि युवा दिलों की धड़कन सचिन पायलट युवाओं के लिए प्रेरणादायक नेता हैं। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट जिन्दाबाद व कांग्रेस पार्टी जिन्दाबाद के जोरदार नारे लगाए।साथ ही पायलट को उनके जन्मदिन पर ढेरों बधाइयां एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस मौके पर सिरोही की अर्बुदा गौशाला में गौमाता,नंदी एवं गौवंश को हरा चारा,दलिया और गुड़ खिलाया गया। इस अवसर पर उपस्थित पूर्व जिलाध्यक्ष जीवाराम आर्य सहित पूर्व प्रदेश सचिव गुमानसिंह देवडा,पूर्व जिला प्रमुख चंदनसिंह देवडा,पूर्व संगठन मंत्री जैसाराम मेघवाल, पिंडवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष अचलसिंह बालिया,जिला कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता परबतसिंह काबा,पिंण्डवाड़ा नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश रावल,पूर्व महामंत्री रमेश मेघवाल,पूर्व सचिव विजय सिंह रुखाड़ा,ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व महामंत्री छगन प्रजापत गोल, युसुफ मंसुरी,विजयसिंह देवडा, भवरसिंह मेर मांडवाडा,सत्तार मोहम्मद,मिश्रीमल चौहान इत्यादि सहित कई कार्यकर्ताओं ने उपस्थित रहकर अपने हाथों से गौवंश को हरा चारा,गुड़ व दलिया खिलाकर सुखद अनुभूति का अहसास किया।

भक्तों ने लुटाया प्यार, अब तक 140 करोड़ का चढ़ावा 3 गिनती अभी जारी है

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले के प्रसिद्ध कृष्णधाम श्री सांवलियाजी मंदिर में हाल ही में खोले गए भंडार से प्राप्त चढ़ावा राशि की गणना जारी है। 1 सितंबर को भगवान श्री सांवलिया सेठ के भंडार को खोला गया था और अब तक चार चरणों की गणना में कुल 15 करोड़ 64 लाख रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। गणना के पहले चरण में 8 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई। इसके बाद दूसरे चरण में 4 करोड़ रुपयेए तीसरे चरण में 1 करोड़ रुपये और चौथे चरण में 2 करोड़ 64 लाख रुपये की राशि मिली। शुक्रवार को चौथे चरण की गणना की गई, लेकिन भंडार से प्राप्त सम्पूर्ण राशि की गणना पूरी नहीं हो पाई। शेष राशि की गणना शनिवार को पांचवे चरण में की जाएगी। गणना के इस कार्य में श्री सांवलियाजी मंदिर मंडल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार, चित्तौड़गढ़ अतिरिक्त जिला कलक्टर राघव शर्मा, मन्दिर बोर्ड के अध्यक्ष भैरूलाल गुर्जर और क्षेत्रीय बैंकों के कर्मचारी शामिल थे। इसके साथ ही भंडार से निकले सोने और चांदी का वजन भी अभी तक नहीं किया जा सका है। श्री सांवलियाजी मंदिर मंडल के भेंट कक्ष कार्यालय में नगद और मनीआर्डर के रूप में प्राप्त राशि की गणना के साथ.साथ सोना और चांदी का वजन भी किया जाएगा। जलझूलनी एकादशी के मेले की तैयारी भी जोर-शोर से चल रही है। मेले के मुख्य दिवस पर विशाल रथयात्रा निकाली जाएगीए जिसमें भगवान को चांदी के रथ में बिराजमान कर सरोवर स्नान के लिए ले जाया जाएगा। रथ का रख-रखाव मंदिर प्रभारी राजेंद्र शर्मा की देखरेख में जारी है। उल्लेखनीय है कि सांवलिया सेठ के मंदिर में इस साल अब तक करीब एक सौ चालीस करोड़ रुपए का चढ़ावा आ चुका है।

निरंकारी बाल समागम में बच्चों ने दिया मानवता का संदेश

■ संजीवनी टुडे

कानोता। संत निरंकारी मिशन का जोन 20 बी जयपुर का जोन स्तरीय बाल समागम का आयोजन शनिवार को केंद्रीय प्रचारक संत अमित कुंद्रा की अध्यक्षता में कस्बे के सरदार सिंह मार्केट स्थित एक मैरिज गार्डन में हुआ। बाल समागम में चार जिलों से 36 निरंकारी ब्रांचो के बालकों ने भाग लिया। जोनल इंचार्ज सुनील बाली ने बताया कि सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के संदेश से प्रेरित होकर बाल सत्संग के बच्चों ने दर्जन भर गीत-संगीत, हिंदी, इंग्लिश, राजस्थानी भाषा में विचारों, नुकड़- नाटकों जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जहां मानवता का संदेश देते हुए मानवीय गुणों से युक्त होकर जीवन जीने से जीवन में आने वाले आनंद और सुकून को समझाया वहीं बाल अवस्था से ही संत महात्माओं की संगति और सत्संग, सेवा, सिमरन से जीवन में अनमोल परिवर्तन को दरसाया। संत निरंकारी मिशन के केंद्रीय प्रचारक अमित कुंद्रा ने अपने विचारों में बताया कि हमें कण कण से शिक्षा मिलती है जिस तरह प्रभु परमात्मा कण कण में विराजमान हैं उसी तरह कण कण में शिक्षा है सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज पूरे विश्व स्तर पर बाल संगत के बच्चों को भक्त प्रहलाद की तरह ब्रह्मज्ञान से नवाज कर पूर्ण संत बनने का प्रयास कर रही है जिसके फल स्वरुप बाल संगत के बच्चे अपने माता पिता, बड़ों का संत महात्माओं का सम्मान कर अपने जीवन को निखार रहे है। आज जहां देश और दुनिया में जाति, धर्म मजहब के कई भेदभाव है वहीं निरंकारी मिशन का उद्देश्य मानव को मानव से प्यार करना सिखाना है। विश्व में वसुदेव कुटुंबकम की भावना जागृत की जा रही है जिससे चारों तरफ एकता नजर आए आपसी प्रेम प्यार बढ़े। बाल समागम के दौरान क्षेत्रीय सेवादल संचालक के दिशा निर्देश में सेवा दल के महात्माओं बहनों ने भरपूर सेवाएं की। बाल समागम में आए हुए लोगों ने डॉक्टर महेंद्र से निशुल्क दवाइयां और सेवाओं का लाभ उठाया। संयोजक ब्रांच कानोता प्रभु दयाल ने सभी का धन्यवाद किया कार्यक्रम में जोन 20 बी जयपुर के सभी ब्रांचों संयोजक, मुखियों और बाल संगत के बच्चों ने भाग लिया।

अधिस्वीकृत पत्रकारों की सूची होगी अपडेट, कई हो सकते है बाहर

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान में भजन लाल सरकार पहली बार सभी अधिस्वीकृत पत्रकारों की जांच करवा रही है। इससे कुछ पत्रकारों की मान्यता पर संकट आने की आशंका है। सभी पत्रकारों की जांच के संबंध में सूचना एवं जन संपर्क निदेशालय की ओर से सभी जिला जन संपर्क अधिकारियों को आधिकारिक पत्र भेजा गया है। सूजस निदेशालय की ओऱ से 2 सितंबर, 2024 को जारी पत्र में हालांकि सूचना एवं जन संपर्क निदेशालय से अधिस्वीकृत पत्रकारों की सूची को अपग्रेड करने का जिक्र किया गया है। इसके तहत सभी जिला पीआरओ से कहा गया है कि वे इस बात की जांच करें कि संबंधित पत्रकार ने जिस मीडिया संस्थान से खुद को संबद्ध बताकर अधीस्वीकरण (एक्रिडेशन) कराया हुआ है, वह वास्तव में उसी संस्थान में काम कर रहा है अथवा नहीं। कहीं वह पत्रकार अन्यत्र काम तो नहीं कर रहा है। इसकी सूचना यथाशीघ्र भिजवाई जाए। निदेशालय सूत्रों की मानें तो अधिस्वीकृत पत्रकारों सूची अपडेट करना तो बहाना है। दरअसल, उन पत्रकारों पर निशाना है जो मुख्यमंत्री और सरकार की आलोचनात्मक खबरें ज्यादा लिखते हैं अथवा विरोधियों को ज्यादा तवज्जो देते हैं। मीडिया एडवाइजर और मीडिया कोर्डिनेटर की राय से लिए गए इस फैसले के पीछे एक मंशा मीडिया संस्थानों के साथ-साथ पत्रकारों को भी दवाब बनाकर सरकार के पक्ष में लिखने के लिए बाध्य करना है। क्योंकि मीडिया संस्थानों को तो विज्ञापनों से पक्ष में किया जा सकता है। लेकिन, पत्रकारों की स्वतंत्र लेखनी को रोक पाना मुश्किल होता है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में 3000 से ज्यादा पत्रकार सरकार से मान्यता प्राप्त हैं। आम तौर पर पत्रकार जिस मीडिया संस्थान से मान्यता प्राप्त होता है, उस संस्थान की ओर से बकायदा विभाग को लिखित में बताया जाता है कि अमुक व्यक्ति उनके यहां काम कर रहा है। यदि किसी कारणवश कोई पत्रकार संस्थान बदलता भी है तो संबंधित मीडिया संस्थान तुरंत उसका अधीस्वीकरण रद्द करने के लिए सूचना एवं जन संपर्क विभाग को सूचित करता है। ऐसे में उस पत्रकार के लिए अपना अधिस्वीकरण नए संस्थान से बदलवाना बहुत बड़ी सिर दर्दी हो जाती है। क्योंकि उसे फिर से पूरी प्रक्रिया अपनानी होती है और इसमें महीनों तक पीआरओ, पुलिस और अन्य कार्यालयों में धक्के खाने होते हैं। भजनलाल सरकार से इस फैसले से पत्रकारों में काफी आक्रोश बढ़ रहा है।

बुजुर्ग के शरीर से निकाली 6 हजार से ज्यादा पथरी: 18 महीने से पेट दर्द से था परेशान

■ संजीवनी टुडे

कोटा।कोटा में 70 साल के मरीज के शरीर 6 हजार से ज्यादा स्टोन (पथरी) निकले। बुजुर्ग करीब डेढ़ साल से पेट दर्द और उल्टी की समस्या से परेशान था। डॉक्टर ने सोनोग्राफी करवाई तो उसके गॉल ब्लैडर (पित्ताशय) की साइज 12ब4 नजर आई और यह पूरा पथरी से भरा हुआ था। जांच पूरी होने के बाद डॉक्टर ने दूरबीन से ऑपरेशन कर बुजुर्ग के पेट से राई, मूंग की दाल, चने की दाल के आकार और उससे भी बड़ी साइज की पथरी निकाली। मरीज के शरीर से निकले स्टोन के ढेर को गिनने में करीब ढाई घंटे लग गए। पेट दर्द, उल्टी की समस्या से परेशान था मरीज प्राइवेट हॉस्पिटल के डॉ. दिनेश जिंदल ने बताया- बूंदी जिले के पदमपुरा का रहने वाला बुजुर्ग मरीज पिछले 18 महीने से परेशान था। उसे पेट दर्द, गैस, पेट में भारीपन और उल्टी की समस्या थी। मरीज ने पहले कोटा में किसी निजी हॉस्पिटल में इलाज करवाया था। जहां उसे ओपन सर्जरी की सलाह दी थी। 6 सितंबर को मरीज हमारे हॉस्पिटल में आया। उसकी सोनोग्राफी की गई तो पित्ताशय की साइज 12ब4 सेमी नजर आई। इसमें पित्त की कोई मात्रा नहीं थी, थैली सिर्फ स्टोन से भरी थी। स्टोन के कारण पित्त की थैली लंबी हो गई थी। इस वजह से मरीज ज्यादा परेशान था। मरीज का ऑपरेशन कर स्टोन निकाले गए। दूरबीन से ऑपरेशन किया गया।

दूरबीन से ऑपरेशन करना बहुत कठिन

डॉक्टर जिंदल ने बताया- सामान्य तौर पर पित्ताशय की साइज 7ब4 सेमी होती है। पित्ताशय की ऐसी स्थिति हो तो दूरबीन से ऑपरेशन करना बहुत कठिन होता है। ऑपरेशन के दौरान थैली के पंचर होने से स्टोन के बिखरने का खतरा था। अगर पेट में पथरी बिखर जाती तो संक्रमण का खतरा भी हो सकता है। डॉ. अंकर जैन (एनेस्थीसिया) की मटट से मरीज का दूरबीन से ऑपरेशन करना बहुत कठिन डॉक्टर जिंदल ने बताया- सामान्य तौर पर पित्ताशय की साइज 7ब4 सेमी होती है। पित्ताशय की ऐसी स्थिति हो तो दूरबीन से ऑपरेशन करना बहुत कठिन होता है। ऑपरेशन के दौरान थैली के पंचर होने से स्टोन के बिखरने का खतरा था। अगर पेट में पथरी बिखर जाती तो संक्रमण का खतरा भी हो सकता है। डॉ. अंकुर जैन (एनेस्थीसिया) की मदद से मरीज का ऑपरेशन किया गया।

गणेशजी पालकी में उमडे श्रृदालु

■ संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा। नगर के हद्वय पर स्थित अति प्राचीन श्री सुर्य नारायण मंदिर से परम्परागत हर साल की तरह ढोल बाजे के साथ गणपती पालकी सवारी व जुलुस का आयोजन सम्पन्न हुआ। जानकारी के अनुसार नगर के श्री सुर्य नारायण मंदिर से अपरान्ह पुजा अर्चना के बाद विधि-विधान से निकाली गईम गजानन्द पालकी नगर के रावल गली, हनुमान चौक से मुख्य बाजार से होते हुए आमली रोड, मस्जिद , सुथार वास, मंगल कलश चोराहे, श्री द्वारिकाधीश मंदिर होते हुए पुनः श्री सुर्यनारायण मंदिर पहुची, वही सनातन प्रेमियों ने महाआरती की। भगवान के जयकारे लगाये। पालकी में मौजुद पुजारी अर्जुन पंडित, सुर्य नारायण ट्रस्ट अध्यक्ष राकेश रावल, शिवसेना प्रमुख रमेश रावल,नारायण घांची, दिनेश रावल,भवंर के पटेल, बाबुलाल सूथार,अर्जुन दवें,मदनसिंह,श्रवण सुथार,महेश पुरोहित,रण्छोड रावल,पवन व्यास,दिनेश सोनी,सुरेश सोनी,श्याम सून्दर व्यास सहित सेकडो की संख्या धर्म प्रेमियों ने भाग लिया। वही नगर में जगह-जगह प्रांगण गणपति की स्थापना हुई वहीं नगर के मुख्य बाजार में शिवसेना द्वारा सार्वजनिक महोत्सव का आगाज हुआ वही इसी प्रकार पद्मावती कॉलोनी,आमली रोड बाजार में विराजमान गणेशजी सहित रिको क्षैत्र, रावल गली,आवासीय मण्डल में, जे.जे.कॉलोनी, श्री द्वारकाधीश मंदिर प्रांगण घांचीवाडा,आमली रोड, साकदरा परिवार,डापा गली,उदयपुर रोड,अजयपुरा,सिरोही रोड व मुख्य बाजार में शिवसेना के द्वारा शक्ति माता चौक पर मुख्य गणपती की स्थापना हुई।

दशकों से वर्चस्व का प्रतीक है बसंतगढ़ के गणेश भगवान, राणा कुंभा काल से है स्थापित

■ संजीवनी टुडे

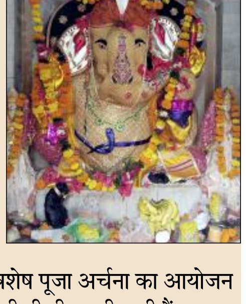

पिण्डवाड़ा। नगर के निकटवर्ती ग्राम पंचायत बसंतगढ़ स्थित अरावली के गोद में बसे भटेश्वरफली के गणेश प्रतिमा गौरवशाली इतिहास की साक्षी है। यह प्रतिमा राणा कुंभा के शासनकाल से स्थापित की गई थी। बसंतगढ़ स्थित यह मंदिर आज भी हजारों श्रद्धालुओं का आस्था स्थल बना हुआ है। गणेश चतुर्थी पर यहां विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया जाता हैं। यहां हमेशा दर्शनार्थियों की भी भीड़ बनी रहती हैं। आस-पास के कई गांवों के श्रद्धालु दर्शन करने आते है ग्रामीणों का मानना है कि इस गणेश प्रतिमा के दर्शन मात्र से ही मनोकामना पुरी होती हैं। इस मंदिर की मुख्य विशेषता हैं कि मंदिर के चारों ओर हरियाली व कल कल कर बहते झरने मंदिर की सुंदरता में और चार चांद लगा देते है। वही मंदिर के पास ही सरस्वती नदी बहती है जो वर्षभर बहती रहती है। वही बसंतगढ़ के राव स्वरूप सिंह ने बताया कि मंदिर के आस-पास आठ धार्मिक स्थान बने हुए है। इसमें भटेश्वर महादेव, ब्रह्माजी का मंदिर, विष्णु भगवान, सूर्य भगवान, खिमज माता, गणेश मंदिर, अति प्राचीन जैन मंदिर ,अम्बे माता मंदिर,लोण वाव आदि धार्मिक स्थान है। धार्मिक स्थान होने के कारण पर्यटन की दृष्टि से भी यह मंदिर अति महत्वपूर्ण है। इन सभी मंदिरों का इतिहास में अलग-अलग महत्व है।

धोखाधड़ी : भाई की जमीन बेची, युवक से 5 लाख हड़पे

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी कर भाई के हिस्से की जमीन बेचने का मामला सामने आया है। थूर निवासी बबलू खटीक ने सापेटिया निवासी उदयलाल डांगी के खिलाफ कोर्ट में इस्तगासा पेश किया। बताया कि उदयलाल की सापेटिया में 0.0400 हेक्टेयर जमीन है। इसमें भाई मानाराम का भी हिस्सा है। उदयलाल ने जमीन बेचने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने 20 अगस्त 2021 को 5 लाख में जमीन खरीदी और एग्रीमेंट किया। फिर 21 सितंबर, 2021 को नींव खुदवाना शुरू किया तो मानाराम ने रुकवा दिया। उदयलाल ने एक साल में पारिवारिक विवाद सुलझा कर निर्माण शुरू करवाने का आश्वासन दिया। ऐसा नहीं होने पर राशि ब्याज समेत लौटाने की बात कही। एक साल होने के बाद आरोपी टालता रहा। फिर पता चला कि आरोपी ने धोखाधड़ी कर अपने भाई के हिस्से की जमीन उन्हें बेच दी। पैसे वापस मांगने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकियां दी। इस मामले में एसपी को शिकायत दी, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

72 घंटे की अखंड रामधुन का हुआ आयोजन

■ संजीवनी टुडे

आमेट। अच्छी बरसात व खुशहाली की कामना को लेकर 72 घंटे की अखंड रामधुन का आयोजन किया जा गया। अखंड रामधुन का आयोजन नगर के बड़ी पोल में आयोजित की गई है। आयोजन 44 श्रेणी पालीवाल समाज द्वारा और नवयुवक मंडल द्वारा किया गया। बता दे कि अखंड रामधुन का शुभारंभ 4 सितंबर को हुआ। जिसका आज 11 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान पूर्वक अर्चना पूजा कर हवन में आहुतियां दे और रामधुन महोत्सव का समापन किया गया। भगवान श्री चारभुजा जी को चांदी जड़ित वेवाण में बैठा कर शहर में शोभायात्रा निकाली गई। जो बड़ी पोल से प्रारंभ हो कर राम चौक, तकिया रोड, होलीथान पहुंची । शोभायात्रा में बैंड, डीजे की धुनों से वातावरण भक्तिमय बन गया । शोभायात्रा में महिलाएं और पुरुष जयकारों के साथ नाचते गाते चल रहे थे । शोभायात्रा पुनः बड़ी पोल स्थित पालीवाल धर्मशाला पहुंची। जहां पर महा प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बशीलाल, राजाराम, जमनालाल, पुरुषोत्तम पालीवाल, भंवरलाल, यशवन्त पालीवाल, भाया जी, शांतिलाल पालीवाल, जगदीश पालीवाल, सत्यनारायण, विनोद पालीवाल, घनश्याम पालीवाल, टिकम चन्द, किशन लाल पालीवाल निर्मल पालीवाल, घनश्याम, ओम पालीवाल, ललित पालीवाल, महेश पालीवाल, राकेश पालीवाल, तुलसीराम पालीवाल, धन्नालाल पालीवाल, हेमेंद्र पालीवाल, पंडित हार्दिक दुर्गेश, घनश्याम, हर्षित, देवेंद्र सहित पालीवाल समाज व नवयुग मंडल सहित महिला एवं पुरुष रामधुन में भाग लिया।

खबरें फटाफट

पायलट का जन्म दिवस गो सेवा करके मनाया

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का जन्मदिवस के सुभअवसर पर जिला परिषद सदस्य गोगुंदा कामिनी गुर्जर द्वारा प्रदेश महासचिव लालसिंह जी झाला के मुख्य आतिथ्य मै अशोक नगर मोक्ष धाम स्थित गौशाला मैं गौ सेवा का कार्यक्रम के तहत उपस्थित सभी कांग्रेस जनो ने गो माता की पूजा अर्चना कर दलिया, गुड़ हरी घास खिलाई लगभग 200 गाय ग़ौशाला में है ।एक समय का पूरा ख़ाना पाइलेट साहब जन्मदीन के उपलक्ष में नेक कार्य करने का अवसर मिला और जन्मदीन का केक काट कर सभी का मुंह मीठा करवाया पाइलेट साहब की लम्बी उम्र की प्राथना की।टीटू सुथार ने बताया कि इस अवसर पर दिनेश श्रीमाली, गोपाल सिंह चौहान,कमल चौधरी,हर्षवर्धन सिंह केलावत,रोनक गर्ग,रेखा डांगी, तुलसी मेघवाल,हरिसिंह झाला,कालू गुर्जर,घनश्याम धाभाई, किशन गुर्जर,अजीत चौधरी,राजेश दया,अनिल पंचोली,आनंद कुंवर,गीता सुवालका, जशोदा वर्मा, पलक,हमीदा,ललित गुर्जर आदि उपस्थित थे।

देसूरी के ढालोप गांव में जमीनी विवाद का मामला

■ संजीवनी टुडे

देसूरी,पाली। मुख्य दो आरोपियों ने किया सरेंडर,दोनो को लिंक कोर्ट रानी मजिस्ट्रेस्ट के समक्ष किया पेश,आरोपी पुष्पेंद्रसिह और जयवर्धन सिंह ने किया सरेंडर, जमीनी विवाद में सीरवी समाज के चार लोग हुए थे गंभीर घायल,रानी न्यायिक मजिस्ट्रेट रोजी कंसारा ने दोनो आरोपियों को 2 दिन के लिए भेजा देसूरी पुलिस अभरक्षा में। पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए दोनो समुदाय के लोगो ने किया था जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन। दोनो आरोपियों की पैरवी एडवोकेट जगतसिंह राणावत बड़ौद व अजीतसिंह मेफावत घाणेराव कर रहे है। इस दौरान आरोपियों से पुलिस बरामदगी सहित अन्य कार्यवाही पूरी कर न्यायालय में पेश किया जायेगा।

एडीप योजना विशेष योग्यजन परिक्षण शिविर जयसमंद में हुआ आयोजित

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता मंत्रालय भारत सरकार की एडिप योजना अंतर्गत एलिम्को टीम द्वारा विशेष योजना का अंग उपकरण निशुल्क वितरण हेतु परीक्षण शिविर का आयोजन जयसमंद में किया गया इस शिविर में कूल 101 विशेष योगयजनों को उपकरण दिए जाने के लिए चिन्हीकरण किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, सलूंबर के हेमन्त खटीक ने बताया कि 8 सितंबर को सलूंबर में शिविर आयोजित किया जाएगा और जो विशेष योग्यजन परिक्षण शिविर में अपना पंजीयन कराने से वंचित रह गए हैं वे सभी पंचायत सलूंबर में अपना पंजीयन अवश्य करवाए और संबंधित सलूंबर पंचायत समिति मुख्यालय पर प्रातः 10 बजे से 5 बजे तक शिविर आयोजित किया जाएंगा। इस दौरान कार्यक्रम में हेमंत खटीक जिला समाज कल्याण अधिकारी,माया सालवी कृष्णा कल्याण संस्थान एवं अन्य कार्मिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चोरों ने 8 फ्लैट्स के तोड़े ताले: बलीचा में दीन दयालनगर की घटना, सीसीटीवी में दिखे 4 से 5 संदिग्ध लोग

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर । उदयपुर शहर के दक्षिण विस्तार योजना बलीचा स्थित पंडित दीनदयाल नगर में बीती रात चोरों ने 8 फ्लैट्स के ताले तोड़े। चोर कुछ से सामान और रुपए ले गए। इनमें से ज्यादातर फ्लैट्स खाली थे, इसलिए चोरों को वहां से कुछ हाथ नहीं लगा। सुबह जब लोगों को एक के बाद एक फ्लैट्स के ताले टूटे जाने का पता पड़ा तो वे हैरान रह गए। पीड़ितों ने गोवर्धन विलास पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना करते हुए घटना की जानकारी ली। पुलिस को कॉलोनी में एक सीसीटीवी के फुटेज देखे जिसमें करीब 4 से 5 संदिग्ध नकाबपोश युवक रात करीब 3 बजे फ्लैट्स में घुसते नजर आ रहे हैं। पुलिस मामले की तलाश में जुटी है। एक पीड़ित विजय प्रकाश ने बताया कि उनका आर-2 में फ्लैट है। वे ताला लगाकर गांव सेमारी गए हुए थे। पडोसी से चोरी की सूचना मिली। घर आकर देखा तो फ्लैट की अलमारी का सामान बिखरा पडा था। बैड पर गद्दा अस्त-व्यस्त था।

जनहित के कामों लेकर कार्यकर्ता सक्रिय रहे,जनता के कामो में रोड़े अटकाने वालो को माफ नही करेंगे : मीणा

प्रभारी मंत्री हेमंत मीणा एवं विधानसभा प्रभारी जोधा ने सलूंबर विधानसभा के विभिन्न मंडलो का किया दौरा

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर के विकास के लिए उपचुनावों में भाजपा की विजय जरूरी

सलूंबर।सलूंबर विधानसभा उप चुनाव हेतु भाजपा ने तैयारिया प्रारंभ कर दी हे।कुछ दिनों पूर्व प्रदेश प्रभारी डा राधामोहन अग्रवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सलूंबर में बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओ की बैठक लेकर चुनावी शंखनाद कर दिया।उसके बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने एक सप्ताह के अंदर ही सलूंबर विधानसभा उप चुनाव को लेकर जिलाध्यक्ष, मंडल अध्यक्षों एवं विस्तारको की बैठक लेकर संगठन की धरातल पर चुनावी तैयारियों को लेकर समीक्षा की। शुक्रवार को राजस्थान सरकार के राजस्व और सलूंबर जिले के प्रभारी मंत्री हेमंत मीणा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सलूंबर विधानसभा प्रभारी नाहर सिंह जोधा ने सलूंबर विधानसभा के नगर, मेवल, छप्पन, मल्लाडा, सराडा,

जयसमंद मंडलों के जिला पदाधिकारियों,मंडल पदाधिकारियों एवं मोर्चा मंडल अध्यक्षों की बैठक लेकर संगठन संरचना के भौतिक सत्यापन के साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार की। जिले के प्रभारी मंत्री हेमंत मीणा ने कहा की सलूंबर विधानसभा में कांग्रेस के गहलोत शासन में विकास अवरुद्ध पड़ा था भाजपा की सरकार बनने के बाद पुनः सड़को,बिजली,पानी,शिक्षा और अन्य विकास के कार्यों की घोषणा होने के साथ साथ धरातल पर काम चालू हुए। कांग्रेस झूठे वादों एवं भ्रम फैलाकर सत्ता में आना चाहती थी लेकिन जनता ने उसके मंसूबों पर पानी फ़ेर दिया। इसलिए सलूंबर के विकास को गतिमान रखने और स्वर्गीय विधायक अमृत लाल मीणा के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए सलूंबर उप चुनाव में पुनः जीत की परंपरा को बनाए रखना है। राजस्व मंत्री मीणा ने कहा की हमे सिर्फ कमल याद रखना है,कमल है तो हम है।मीणा ने कहा की कार्यकर्ता जनहित और विकास के कार्यों को लेकर मुखर और सक्रिय रहे। कोई अधिकारी और कर्मचारी जनहित के कामों और जायज कामो में रोड़े अटकाता है तो संगठन के शीर्ष और मुझे बताए ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों को माफ नही करेंगे। प्रभारी मंत्री मीणा ने कहा की भ्रष्टाचार और अपराध पर भजन लाल सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।भ्रष्टाचारी और अपराधी बख्से नही जायेंगे । प्रदेश उपाध्यक्ष एवं उप चुनाव संगठन प्रभारी नाहर सिंह जोधा ने कहा की बूथ स्तरीय प्रबंधन और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को हर घर तक पहुंचाना है।पन्ना प्रमुख और बूथ टोली को सक्रिय करना,जिम्मेदार पदाधिकारियों के निरंतर प्रवास बने । दौरे में जिला सह संगठन प्रभारी महेश शर्मा,जिला उपाध्यक्ष कैलाश गांधी, चंद्रशेखर जोशी,जिला मंत्री रमेश जोशी,जिला मीडिया प्रभारी नाहर सिंह राठौड़,विधानसभा विस्तारक प्रवासी करण सिंह राव,नगर मंडल अध्यक्ष नंद लाल सुथार,महामंत्री पुष्पेंद्र सोनी, मेवल मंडल अध्यक्ष यशवंत त्रिवेदी, मल्लाडा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी लाल कलाल,सराडा मंडल अध्यक्ष पंकज चौबीसा,जयसमंद मंडल अध्यक्ष फतह सिंह सिसोदिया,छप्पन मंडल अध्यक्ष भूरा भाई पटेल,जिला कार्यसमिति सदस्य वेणीराम सुथार,नरेश गर्ग,जिला महामंत्री आर्थिक प्रकोष्ठ अखिलेश बाहेती,पूर्व मंडल अध्यक्ष करण सिंह पंवार,केवारम पटेल,धुला भाई भोई,विस्तारक भंवर लाल कटारा,संजय टेलर,जितेंद्र सिंह आसोलिया,कालूलाल मीणा,रिंकु मीणा आदि उपस्थित रहे।

छलक उठा खुशियों का फतेहसागर: विश्व प्रसिद्ध फतहसागर झील ओवरफ्लो, चार गेट खोले

■ संजीवनी टुडे

जिला कलक्टर ने पूजा अर्चना कर खोले गेट

उदयपुर। उदयपुर शहर की शान विश्व प्रसिद्ध फतहसागर झील लबालब होकर ओवरफ्लो हो गई। शनिवार को गणेश चतुर्थी के सुअवसर पर जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने हजारों शहरवासियों की उपस्थिति में पूजा-अर्चना कर फतेहसागर के गेट खोले। इसके साथ ही समूचा उदयपुर खुशी से झूम उठा। पाल पर मौजूद लोगों ने जयकारे लगाकर खुशी व्यक्त की। उदयपुर में गत दिनों हुई लगातार बारिश से झीलों में तेजी से पानी की आवक हो रही है। गत दिनों पिछोला झील के लबालब होने पर स्वरूपसागर के गेट खोले गए थे। इससे फतहसागर का जलस्तर लगातार बढ़ रहा था। शनिवार को फतहसागर का जलस्तर 13 फीट होने के बाद दोपहर 1 बजे गेट खोलने की घोषणा की गई। दोपहर ठीक 1 बजे आमजन को अलर्ट करने के लिए सायरन बजाया गया। इसके साथ ही सुरक्षाकर्मियों ने डाउन स्ट्रीम का जायजा लिया, ताकि पानी के बहाव से जनहानि नहीं हो।

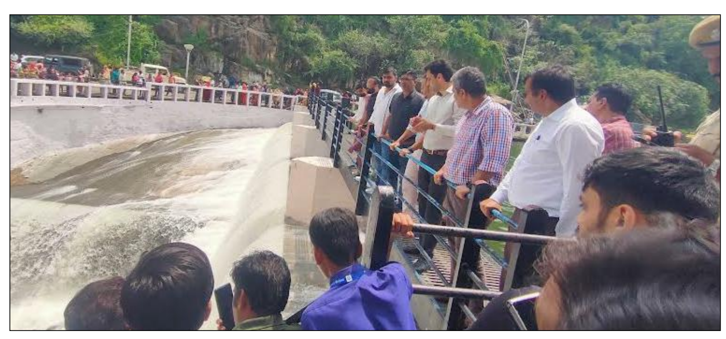

इसके पश्चात जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल, उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजीव शर्मा आदि ने विधिवत पूजा अर्चना की। जिला कलक्टर ने श्रीफल वधेर कर जल देवता को पुष्प अर्पित किए। इसके पश्चात एक-एक करके फतेहसागर के 4 गेट 6-6 इंच क्षमता में खोले गए। गेट खुलने के साथ ही रपट पर जलराशि बहना शुरू हो गई। यह देखकर लोगों का उत्साह दुगुना हो गया। आमजन व पर्यटकों ने जयकारे लगाकर स्वागत किया। वीकेण्ड पर गेट खुलने से पाल पर देर रात तक लोगों का जमघट लगा रहा। लोगों ने सेल्फी लेकर तथा रिल्स बनाकर वीकेंड इंजॉय किया। जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने शहर की सभी झीलों सहित बांध-तालाबों के लबालब होने पर जिलेवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ईश्वर और प्रकृति के आशीर्वाद से जिले में पर्याप्त वर्षा हुई है। फतेहसागर और पिछोला जैसी झीलें उदयपुर के पर्यटन की आधार हैं। झीलें भरने से पर्यटकों की बहार रहेगी, जिससे उदयपुर में पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। जिला कलक्टर ने पर्यटकों और शहरवासियों से जल स्त्रोतों के आसपास भ्रमण के दौरान सावधानी बरतने की भी अपील की, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हो।

भिंडर में एडीजे न्यायालय की अधिसूचना जारी कराए जाने को लेकर किया न्यायिक कार्यों का बहिष्कार

■ संजीवनी टुडे

भिंडर। शनिवार बार एसोसिएशन भिंडर ने भिंडर में एडीजे न्यायालय की घोषणा होने के बावजूद भी अभी तक भिंडर नगर में एडीजे न्यायालय की अधिसूचना जारी नहीं होने के विरोध में स्थानीय बार के अधिवक्तागण ने आज नई न्यायिक कार्यों का बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया। बार एसोसिएशन भिंडर के अधिवक्तागण ने बताया कि भिंडर में एडीजे न्यायालय की घोषणा हुए काफी लंबा समय हो चुका है, परंतु सरकार द्वारा अभी तक अधिसूचना जारी नहीं की गई है इस कारण क्षेत्र के नागरिकों एवं अधिवक्तागणों में भारी आक्रोश है, जबकि वर्तमान सरकार द्वारा वल्लभनगर में आरएए न्यायालय एवं कानोड में उपखंड न्यायालय कैंप की घोषणा की गई है ,लेकिन भिंडर में स्वीकृत एडीजे न्यायालय की अधिसूचना जारी नहीं की गई है, जिससे रोष व्याप्त करते हुए करते हुए सरकार भींडर में जल्द से जल्द एडीजे न्यायालय की अधिसूचना जारी

करें इस संबंध में बार एसोसिएशन, भींडर द्वारा आज न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करते हुए धरना प्रदर्शन किया गया है तथा मुख्यमंत्री जी राजस्थान सरकार को ज्ञापन भी प्रेषित किया है, तथा ज्ञापन में मांग की गई की यदि सरकार द्वारा शीघ्र ही मांग पूरी नहीं की गई तो इसके लिए जन आंदोलन बनाने का फैसला किया गया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन अध्यक्ष लक्ष्मण गिरि गोस्वामी, पूर्व अध्यक्ष कैलाश चंद्र चौबीसा, उपाध्यक्ष सुशील जी जैन, महासचिव निर्मल सिंह शक्तावत, सचिव प्रकाश चौधरी, कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार खटीक, सुरेंद्र कुमार चौबीसा ,विकास जोशी ,प्रेम सिंह मोटावत ,दीपक आमेटा ,लोकेश शेर, राम सिंह रावत, श्रीमती कलावती चोबिसा, उमेश माली , मोहम्मद साजिद गोरी, दर्शन शर्मा , मनोज रेगर , भेरुलाल रावत आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

5 किलो 290 ग्राम अवैध गांजा जप्त, दो आरोपी गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। राशमी थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल पर अवैध 5 किलो 290 ग्राम गांजा परिवहन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक मोटरसाइकिल भी जब्त । जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि परबत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन में एवं रामेश्वर लाल पुलिस उप अधीक्षक वृत्त गंगरार के नेतृत्व में मादक पदार्थो की धरपकड अभियान में कार्यवाही करते हुये दिनांक 6 सितम्बर 2024 को श्यामराज सिह पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना राशमी द्वारा मय जाप्ते के हल्का थाना क्षेत्र मे गश्त कस्बा राशमी उपरेडा जाडाना, लसाडिया खुर्द करता हुआ रूद बायपास जोहिडा बावजी चौराया पहुंचा जहां पर एक मोटर साईकिल पर चालक व उसके पीछे बैठा एक व्यक्ति मोटरसाईकिल लेकर आये जिनको रोककर नाम पता पुछा तो चालक ने अपना नाम कृष्णपाल पिता नन्दकिशोर बैरागी उम्र 26 साल निवासी अवलेश्वर थाना हथुनिया जिला प्रतापगढ व चालक के पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम सुरजमल पिता तोलाराम मीणा उम्र 22 साल निवासी बोरी थाना पिपलखूंट जिला प्रतापगढ होना बताया एवं उक्त कृष्णपाल बैरागी व

सुरजमल मीणा के कब्जे में उनके बीच में रखे प्लास्टीक के कटटे की नियमानुसार तलाशी ली गई तो 5 किलो 290 ग्राम अवैध गांजा मय प्लास्टीक के कटटे के जब्त किया गया। अवैध गांजा व इनके कब्जेशुदा मोटरसाईकिल को जब्त किया जाकर अभियुक्त के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया जाकर अग्रीम अनुसंधान जारी है। पुलिस टीम :- श्यामराज सिंह पु.नि. थानाधिकारी, विश्राम हैडकानि, अर्जुन कानि , मनोज कानि, संजय कानि , चतरदान कानि,राकेश कानि चालक आदि रहे।

19 पुलिस थानों के 156 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध अफीम डोडा चूरा, गांजा व ब्राउन शुगर को पुलिस ने किया नष्ट

करीब 345 क्विंटल मादक पदार्थ को जलाकर किया नष्ट

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले के 19 पुलिस थानों में वर्ष 2009 से 2023 के मध्य जब्तशुदा अवैध डोडाचूरा, गांजा व ब्राउन शुगर को न्यायालय से भौतिक सत्यापन के बाद शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी की उपस्थिति में जिला औषधि व्ययन समिति द्वारा थाना सदर निम्बाहेड़ा के वंडर सीमेंट प्लांट की कीलन में जलाकर नष्ट किया गया। पुलिस द्वारा 344 क्विंटल 56 किलोग्राम 358 ग्राम अवैध डोडाचूरा, गांजा व ब्राउन शुगर को नष्ट किया गया ।

पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि, जिले के 19 पुलिस थानों के मालखाना एनडीपीएस एक्ट में जब्तशुदा मादक पदार्थों की वजह से लबालब भरे पड़े थे, जिससे अन्य जब्तशुदा मालों के रखने की समस्या आ रही थी। इसके निस्तारण की कार्यवाही के क्रम में पुलिस अधीक्षक कार्यालय की कार्य प्रणाली शाखा द्वारा संबंधित थानाधिकारियों से माल के निस्तारण के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त कर, रिकॉर्ड तैयार किया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी,

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परबत सिंह, डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्रीलाल, पुलिस उप अधीक्षक एससी एसटी सेल बंशीलाल, पुलिस निरीक्षक जोधाराम व उपनिरीक्षक भंवरलाल दशोरा सहित संबंधित 19 थानों के थानाधिकारी एवं मालखाना प्रभारी व कार्यप्रणाली शाखा के कर्मचारियों आदि की उपस्थिति में आवश्यक रिकॉर्ड मिलान करने के बाद मादक पदार्थों का वजन किया गया तथा संबंधित मालों के वजन व नष्टीकरण के समय फोटो ग्राफी व विडियो ग्राफी करवाई गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले के थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़, सदर चित्तौड़गढ़, कोतवाली निम्बाहेड़ा, सदर निम्बाहेड़ा, गंगरार, भदेसर, बिजयपुर, बस्सी, बेगूं, पारसोली, रावतभाटा, कपासन, बड़ीसादड़ी, निकुम्भ, कनेरा, मंडफिया, जावदा, मंगलवाड़ व शंभूपुरा के कुल 19 पुलिस थानों में दर्ज कुल 156 प्रकरणों में से 142 प्रकरणों में अवैध मादक पदार्थ 340 क्विंटल 52 किग्रा 441 ग्राम डोडा चूरा, 13 प्रकरणों में 10 क्विंटल 12 किग्रा 951 ग्राम गांजा, 1 प्रकरण में 02 ग्राम ब्राउन शुगर को जिला पुलिस द्वारा कार्यवाही के दौरान तस्करों के कब्जे से जब्त किया गया था। उक्त सभी 156 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थो को जिला औषधि व्ययन समिति चित्तौड़गढ़ द्वारा वंडर सीमेंट थाना सदर निम्बाहेड़ा के अधिकारियों यूनिट हैड नितिन जैन, सुरक्षा हेड नगेन्द्र सिंह चूंडावत, उप सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह राठौड़, एएफआर हैड अभिषेक नामदेव, एडमिन प्रभारी अखिलेश कुमार, एचआर मैनेजर विनय कुमार व पर्यावरण विभाग के सीनियर मैनेजर अमित भारद्वाज की उपस्थिति में शुक्रवार को सदर निम्बाहेड़ा के वंडर सीमेंट प्लांट की कीलन में जलाकर नष्ट किया गया।

मंगलवाड थाना पुलिस द्वारा ब्लाइंड मर्डर 24 घंटे में खुलासा

मृतक की पत्नि व प्रेमी सहित 3 गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले की मंगलवाड़ थाना पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का 24 घंटों में खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी व उसके प्रेमी तथा एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार किया है। प्रेमी से मिलने में बाधा होने के कारण पति की हत्या की। आरोपियों ने हत्या को एक्सीडेंट बताने के लिए शव को मंगलवाड़ निंबाहेड़ा स्टेट हाइवे रोड़ पर डाल दिया था। लेकिन पुलिस ने गहन अनुसंधान करते हुवे वारदात का खुलासा करते हुवे अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि दिनांक 05 सितम्बर 2024 को सूचना मिली कि मंगलवाड निम्बाहेडा रोड पर किसी अज्ञात व्यक्ति की लाश पड़ी हुई है। इस पर रामसिंह उ.नि. थानाधिकारी थाना मंगलवाड मय जाप्ता के मौके पर पहुंच मृतक की शिनाख्त छगनलाल पिता गोरू बंजारा निवासी भीलाखेडा थाना मंगलवाड के रूप में होना पाई गई। उक्त मृतक की लाश को सीएचसी डूंगला की मोर्चरी में रखवाया गया। उक्त घटना के संबंध में ब्लाइंड मर्डर का शीघ्र ही पर्दाफाश कर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ परबतसिंह

के निर्देशन में व पुलिस उप अधीक्षक वृत बडीसादडी डॉ0 कृष्णा सामरिया के सुपरविजन में मृतक छगनलाल के पिता गोरू बंजारा की रिपोर्ट अनुसार उसके पुत्र छगनलाल की हत्या का शक उसकी ससुराल भीलाखेडा में ही मृतक की पत्नि रीना बंजारा व उसके साथी आरोपियों पर व्यक्त किया गया। जिस पर उक्त मृतक छगनलाल की लाश का पोस्टमार्टम करवाया जाकर लाश परिजनों को सुपुर्द की गई तथा उक्त रिपोर्ट के आधार पर हत्या की धारा में प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर मृतक की पत्नि रीना के बारे में मुखबिरान से सम्पर्क कर मालूमात की तो रीना द्वारा अपने प्रेमी दिनेश के साथ मिलकर स्वंय के पति छगनलाल की गला घोंट कर हत्या करना तथा घटना के बाद से ही घर से फरार होना पाया गया। प्रकरण में आरोपियों को नामजद कर थाना स्तर पर विभिन्न टीमों का गठन कर आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जाकर सूचना संकलन व सायबर सैल चित्तौडगढ़ के तकनीकी सहयोग से मुख्य साजिशकर्ता मृतक की पत्नि रीना बंजारा व उसके प्रेमी दिनेश बंजारा व उसके साथी बद्रीलाल को डिटेन कर पूछताछ करने पर मृतक की पत्नि रीना बंजारा को उसके पति छगनलाल द्वारा स्वंय के प्रेमी के साथ मिलने जुलने में बाधा उत्पन्न करने से अपने प्रेमी दिनेश व उसके साथी बद्रीलाल के साथ मिलकर अपने पति छगनलाल को मौत के घाट उतारने बाबत योजना बनाई गई तथा दिनांक 05 सितम्बर 2024 को रात्री के समय बद्रीलाल बंजारा मृतक छगनलाल को योजनानुसार शराब / दारू पिलाने के लिये मंगलवाड निम्बाहेडा रोड के पास सुनसान स्थान पर लेकर गया और छगनलाल को फुल नशे शराब में कर उक्त स्थान पर योजनानुसार मौजूद दिनेश बंजारा ने अपने साथी बद्रीलाल बंजारा के साथ मिलकर गमछे से छगनलाल की गला घोंट कर हत्या कर दी तथा हत्या करने के बाद छगनलाल के शव को मंगलवाड निम्बाहेडा स्टेट हाईवे रोड पर डाल दिया, जिससे किसी को भी एकाएक देखने पर हत्या का शक नहीं होकर ऐक्सीडेन्ट लगे।

विशेष योग्यजन परीक्षण शिविर में वंचित विशेष योग्यजन पंचायत समिति सलूंबर में अपना पंजीयन आज कराए

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सलूंबर द्वारा जिले के विशेष योग्यजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से एडिप योजना के तहत एक दिवसीय परीक्षण शिविर सलूंबर पंचायत समिति में आयोजित किया जाएगा। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने आदेश जारी कर बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा विशेष योग्यजन एडिप योजना का लाभ लेने के लिये विशेष योग्यजन जो शिविर में पंजीयन से वंचित रह गए हे उन्हें 8 सितंबर को सलूंबर पंचायत समिति में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाएगा और जिनको शारीरिक अक्षमता की पूर्ति के लिये उपकरण की आवश्यकता है तथा जिन्हे पिछले तीन साल तक किसी भी प्रकार के उपकरण का लाभ विभाग द्वारा नही मिला है, वे सभी विशेष योग्यजन 8 सितंबर को सलूंबर पंचायत समिति में लगने वाले शिविर में अपना परीक्षण करा कर पंजीयन करा सकेंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के हेमन्त खटीक ने बताया कि दिव्यांगजन पंजीकरण के लिये भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। लाभार्थी ने वर्षों के दौरान भारत सरकार/राज्य सरकार या अन्य सामाजिक योजना के अन्तर्गत किसी शासकीय/अशासकीय/अन्य संस्था से कोई उपकरण प्राप्त न किया गया है। (मोटराइजड ट्राईसाईकिल / स्मार्ट फोन को छोडकर, जिसे 5 वर्षों के दौरान प्राप्त न किया हो) लाभार्थी अपने आधार सँख्या / मोबाइल सँख्या / नाम आदि में किसी एक दवारा ' 'लाभान्वित लाभार्थी' टेब पर पूर्व में प्राप्त उपकरणों का विवरण देख कर चिनहांकन के लिए आये। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने बताया कि जिले के विशेष योग्यजन के लिए जिले में पहली बार विशेष योग्यजन को उपकरण वितरण के लिए शिविर द्वारा चिन्हित किया जा रहा है।

सम्पादक की कलम से....
सम्पादकीय

जनता के बीच वित्तीय साक्षरता बढ़ा रही मोदी सरकार

सामान्य तौर पर वित्तीय समावेशन की सफलता का आकलन इस बात से हो सकता है कि सरकार द्वारा इस सम्बंध में बनायी जा रही नीतियों का फ़ायदा समाज के हर तबके, मुख्य रूप से अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुँच रहा है। भारत में वर्ष 1947 में 70 प्रतिशत लोग ग़रीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे थे। जबकि अब वर्ष 2024 में देश की कुल आबादी का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा ग़रीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है। 1947 में देश की आबादी 35 करोड़ थी जो आज बढ़कर 136 करोड़ हो गई है। देश में वित्तीय समावेशन को सफलतापूर्वक लागू किए जाने के कारण ही ग़रीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या में भारी कमी देखने में आई है। केंद्र में वर्तमान मोदी सरकार के कार्यभार ग्रहण करने के बाद से तो वित्तीय समावेशन के कार्यान्वयन में बहुत अधिक सुधार देखने में आया है। उसके पीछे मुख्य कारण देश में विभिन्न वित्तीय योजनाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले जाना है। केंद्र सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई जन-धन योजना ने इस संदर्भ में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। जब यह योजना प्रारम्भ की जा रही थी तब कई लोगों द्वारा यह सवाल उठाए गए थे कि देश में पहिले से ही इस तरह की कई योजनाएँ मौजूद हैं, फिर इस एक और नई योजना को शुरू करने की क्या ज़रूरत है। आज समझ में आता है कि जन-धन योजना के अंतर्गत करोड़ों देशवासियों के खाते खोले गए, कुल लगभग 40 करोड़ खाते विभिन्न बैंकों में खोले गए हैं, विशेष रूप से महिलाओं के 22 करोड़ खाते खोले गए हैं, जिनके खातों में आज सीधे ही सब्सिडी का पैसा केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा हस्तांतरित किया जा रहा है। मनरेगा योजना की बात हो अथवा केंद्र सरकार की अन्य योजनाओं की बात हो, पहिले ऐसा कहा जाता था कि केंद्र से चले 100 रुपए में से शायद केवल 8 रुपए से 16 रुपए तक ही अंतिम हितग्राही तक पहुँच पाते हैं, परंत आज हितग्राहियों के खातों में सीधे ही राशि के जमा करने के कारण बिचौलियों की भूमिका एकदम समाप्त हो गई है एवं हितग्राहियों को पूरा का पूरा 100 प्रतिशत पैसा उनके खातों में सीधे ही जमा हो रहा है। यह वित्तीय समावेशन की दृष्टि से एक क्रांतिकारी क़दम सिद्ध हुआ है। अभी हाल ही में कोरोना वायरस की महामारी के समय, अप्रैल-मई-जून 2020 के तीन महीनों में महिलाओं के बैंक खातों में करीब-करीब 30,000 करोड़ रुपए सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। कुछ अन्य योजनाओं को मिलाकर तो विभिन्न लाभार्थियों के बैंक खातों में करीब-करीब 90,000 करोड़ रुपए सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। इसी प्रकार, 7 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस सिलेंडर दिए गए हैं, राशन कार्ड हो या न हो, 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त अन्न की व्यवस्था की गई है।

पूर्व में आपको ध्यान होगा कि किसी भी बैंक में खाता खोलने के पहिले एक परिचयकर्ता की आवश्यकता होती थी, उसके हस्ताक्षर के बिना बैंकों में खाता खोलना बहुत ही मुश्किल भरा कार्य हुआ करता था, परंतु सरकार ने इस नियम को हटाकर आधार कार्ड से खातों को जोड़कर इस कार्यविधि को बहुत ही आसान कर दिया। इस प्रकार के कई नियमों का केंद्र सरकार ने सरलीकरण किया है, अतः वित्तीय समावेशन भी आगे बढ़ा है। इसी प्रकार देश में जब प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना लागू की जा रही थी तब भी यह मुद्दा उठाया गया था कि इस प्रकार की योजनाएँ लोगों तक पहुँचाना आसान नहीं होगा। परंतु आज हम देखते हैं कि वित्तीय समावेशन से जुड़ी इन योजनाओं को देश में सफलता पूर्वक लागू कर लिया गया है एवं आज करोड़ों हितग्राही इन योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। इन योजनाओं को भी हितग्राहियों के बैंक खातों से जोड़ दिया गया है ताकि अधिक से अधिक लोग इन बीमा योजनाओं का लाभ उठा सकें। भारत में कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा ग्रामीण इलाक़ों में रहता है एवं अपने रोज़गार के लिए मुख्यतः कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर हैं। इस प्रकार भारत में कृषि का क्षेत्र एक सिल्वर लाइनिंग के तौर पर देखा जाता है एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बहुत पैसा किसानों के हाथों में पहुँचाया जा रहा है। मनरेगा योजना के अंतर्गत 60,000 करोड़ रुपए ग्रामीण इलाक़ों में मज़दूरों के खातों में सीधे हस्तांतरित किए गए हैं तो रुपए 2000 प्रति तिमाही की दर से लगभग 9 करोड़ किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित हो रहे हैं जोकि पूरे वर्ष भर में रुपए 72,000 करोड़ रुपए होता है। इन समस्त उपायों से भी वित्तीय समावेशन की स्थिति देश में लगातार सुधर रही है। साथ ही, इस वर्ष हमारे देश के लिए, मानसून की स्थिति काफ़ी अच्छी है तो इससे ख़रीफ़ अवधि की फ़सल अच्छी होगी।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। कारोबार मध्यम रहेगा और कार्यक्षेत्र में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा।

वृषभ राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में प्रसन्नता का अनुभव होगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यभार की भी अधिकता रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। स्वास्थ्य भी खराब हो सकता है।

कर्क राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल होगा। सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलने से कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा।

कन्या राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। गृहों की स्थिति आपके अनुकूल रहने से आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और कार्यों में सफलता मिलने से धनलाभ की स्थिति रहेगी।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में धनलाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। अधिकारी आपके काम से प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों की अधिकता रहेगी।

धनु राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी। कार्यों की सफलता के लिए कड़ी मेहनत करने पड़ेगी और दिन भागदौड़ में गुजरेगा। व्यापार-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। गृह-नक्षत्रों की स्थिति आपके अनुकूल बनने से आकस्मिक धनलाभ के योग रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा और नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना रहेगी। पुराने मित्रों से मुकालात हो सकती है।

कुम्भ राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरी रहेंगे। आकस्मिक धनलाभ के योग भी बनेंगे। रुका हुआ कार्य शुरू हो सकता है।

मीन राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। भागदौड़ के बावजूद कार्यों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा।

आखिर कैसे खतरे में आया लोकतंत्र और संविधान!

संवैधानिक संस्थाएं और लोकतंत्र 2014 से पहले कभी खतरे में क्यों नही थे ? अचानक ऐसा क्या हुआ है कि देश भर में एक वर्ग ऐसा वातावरण बनाने में जुटा है मानों भारत में कोई तानाशाही राज आ गया है। दुहाई लोकतंत्र की जा रही है लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया या संवैधानिक प्रावधानों पर खुद ही इस तबके को भरोसा नही है।असल में यह भारत के नए समावेशी लोकतंत्र को अस्वीकार करने का सामंती प्रलाप भर है।देश की संसदीय राजनीति और संवैधानिक संस्थाओं को अपनी एकपक्षीय विचारसरणी से संचालित करने वाला कतिपय उदारवादी बौद्धिक जगत नए भारत की व्यवस्थाओं से बेदखल होता जा रहा है। यह बेदखली भी पूर्णतः लोकतांत्रिक प्रक्रिया के धरातल पर हो रही है।भारत के आत्मगौरव को कुचलकर अल्पसंख्यकवाद और तुष्टीकरण पर खड़ी की गई भारतीय शासन और राजनीति की व्यवस्थाओ के कमजोर होने से जिहादी बौद्धिक गिरोह अब उन्ही संस्थाओं को निशाने पर ले रहा है जो कभी इनके एजेंडे को आगे बढ़ाने में सहायक थी।

वकील प्रशांत भूषण के ताजा अवमानना प्रकरण को बड़े व्यापक संदर्भ में समझने की आवश्यकता है।यह प्रकरण महज एक अवमानना भर का नही है बल्कि वामपंथ एवं कांग्रेस विचारधारा का बिषैला और भारत विरोधी चेहरा भी उजागर करता है।सुप्रीम कोर्ट से सजा सुनाएं जाने के बाद ''स्वराज अभियान'' के योगेंद्र यादव ने ''कैम्पेन फ़ॉर ज्यूडिशियल अकाउंटबिलिटी एंड रिफॉर्म'' शुरू करने का एलान किया। इस अभियान में अभिव्यक्ति की आजादी को बचाने के लिए देश भर से एक एक रुपया एकत्रित करने का भी आह्वान है।योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण की राजनीतिक प्रतिबद्धता किसी से छिपी नही है।सवाल यह उठाया जा सकता है कि देश में करोड़ों मुकदमें बर्षों से लंबित है लेकिन अकाउंटबिलिटी का सवाल इस अर्थ में पहले नही उठाया गया।

भूषण एन्ड कम्पनी खुद देश की सर्वोच्च अदालत को अपने दबाब में लेती रही है।किसी भी मामले में जब इन्हें मनमाकिफ़ निर्णय की उम्मीद नही होती तो सुनियोजित तरीके से बाहर आकर कोर्ट और जज के विरुद्ध चिल्लाने लगते है और जब फैक्ट के आधार पर निर्णय आ जाते है तब यही भूषण खुद को गांधी बनाने में जुट जाते है।समस्या इस बार जस्टिस अरुण मिश्रा को लेकर इसलिए खड़ी की गई क्योंकि वे भूषण के दबाब में नही आये।जस्टिस मिश्र की कोर्ट में भूषण के अधिकतर मामले लिस्टेड होने पर देश का सुप्रीम कोर्ट आखिर खराब हो जाता है लेकिन तथ्य यह है कि प्रशांत भूषण जब गुजरात दंगों या अमित शाह से जुड़े मामले जस्टिस आफताब आलम के यहां लिस्टेड कराते रहे तब सुप्रीम कोर्ट निष्पक्ष और स्वतंत्र होता था? । प्रशांत भूषण जिन संस्थाओं से सीधे और परोक्ष रूप से जुड़े है उनकी मानसिकता बीजेपी और आरएसएस ही नही भारत की संप्रभुता के भी विरुद्ध है।

विचार बिन्दु

13जजों की पीठ में 7 जज फैसले के पक्ष में थे इनमें मुख्य न्यायाधीश एस एम सीकरी,के एस हेगड़े,एके मुखरेजा,जे एम शेलाट, एन एन ग्रोवर, पी जगनमोहन रेड्डी,और एच आर खन्ना।6 जज सरकार के साथ थे जस्टिस ए एन राय,डीजी पालेकर,के के मैथ्यू, एच एम बेग,एस एन द्विवेदी और वाय चन्द्रचूड़। इस निर्णय से नाराज इंदिरा गांधी के दफ्तर से 25 अप्रेल 1973 को जस्टिस एन एन राय के घर फोन की घण्टी बजती है।क्या उन्हें नए सीजेआई का पद स्वीकार है? जबाब देने के लिए मोहलत मिली सिर्फ दो घण्टे की।

डॉ अजय खेमरिया

जाहिर है अभिव्यक्ति की आजादी या न्यायिक जबाबदेही के उठाये गए सवाल देश हित से जुड़े न होकर एक घोषित एजेंडे का क्रियान्वयन भर है।इसलिए सवाल यह है कि क्या वाकई देश में संवैधानिक संस्थाएं और लोकतंत्र संकट में है ? क्या प्रशांत भूषण,राजीव धवन या राहुल गांधी और उनके साथ समवेत एकेडेमिक्स ही सुप्रीम कोर्ट के रखवाले है?इन सवालों को हमें इतिहास और वर्तमान के बदले हुए वातावरण में भी देखना चाहिये।तथ्य यह है कि 2014 के बाद यानी केंद्र में नरेन्द्र मोदी को जनता द्वारा सत्ता सौंपने के साथ ही बौद्धिक राजनीतिक जगत में इस जनादेश को ही खारिज करने के सतत प्रयास चल रहे है। देश में जनता पार्टी,सयुंक्त मोर्चा,और यूपीए की सरकारें भी रही लेकिन सवाल केवल मोदी सरकार के वोट परसेंट पर उठाया जाता है। तब भी जब 2019 में जनता ने 2014 से बड़ा बहुमत मोदी को सौंपा है।असल में संसदीय राजनीति की पारदर्शी प्रक्रिया के जरिये भारत विरोधी तत्व जनता की अदालत से अलग थलग हो रहे है।जाति,सम्प्रदाय और क्षेत्रीयता के साथ अल्पसंख्यकवाद की चुनावी राजनीति लगातार हासिए पर आ पहुँची है, भारत के जिहादी बौद्धिक जगत (एकेडेमिक्स)को इस जमीनी स्थिति ने परेशान कर दिया है। यह वर्ग लंबे समय से भारतीय शासन और राजनीति का नियामक बना रहा है।प्रशांत भूषण घटनाक्रम इसी नियामकीय अस्तित्व के संकट की हताशा है।सुप्रीम कोर्ट भारत के लोकतंत्र का प्रधान पहरेदार है और इसे जनता की दृष्टि में विवादित करके मोदी सरकार के नीतिगत निर्णयों पर अराजकता पैदा करना ही भूषण एन्ड कम्पनी का असली मन्तव्य है ।वातावरण बनाया गया है कि मोदी सरकार ने कोर्ट,चुनाव आयोग, संसद, कार्यपालिका, विश्विद्यालय, मीडिया को दबाब में ले लिया है।दावा किया जाता है कि लोग सरकार के भय से बोल नहीं पा रहे है।

सुप्रीम कोर्ट ने लॉक डाउन के दौरान मोदी सरकार के विरुद्ध याचिकाएं लेकर आये प्रशांत भूषण को चेतावनी जारी कर कहा था कि आप पीआईएल लेकर आये है या पब्लिसिटी याचिका। कोर्ट ने यहां तक कहा कि यह नहीं चल सकता है कि हम आपके मन मुताबिक निर्णय दें तो ठीक, नही दें तो कोर्ट पक्षपाती है। सच्चाई यह है कि राममंदिर,राफ़ेल ,सुशांत सिंह तीन तलाक,पीएम केयर फ़ंड,सीएए,अनुच्छेद 370, पर सुप्रीम अदालत के निर्णय मोदी विरोधियों के मन मुताबिक नही हुए। सामाजिक कार्यकर्ता के वेष में सक्रिय लोगों का बड़ा तबका इस स्थिति से परेशान है।एक धारणा गढ़ी जा रही है कि ''जज'' डरे हुए है, भयादोहित है।लोकतंत्र खतरे में है और यह देश मे पहली बार हो रहा है।

हकीकत यह है कि 2014 के बाद से देश मे अभिव्यक्ति की आजादी और संवैधानिक संस्थाओं की अक्षुण्णता प्रखरता से बढ़ी है। अतीत में भारत की न्यायिक आजादी को खंगालने की कोशिशें करें तो पता चलता है कांग्रेस और प्रशांत भूषण जैसे गिरोहों ने कोर्ट्स को सदैव सत्ता की पटरानी बनाने के प्रयास किया है।जिन जजों ने अतीत में कांग्रेस सरकारों की बादशाहत को चुनौती दी उन्हें अपमानित कर ठिकाने लगा दिया गया। जबकि सुप्रीम कोर्ट में पदस्थ रहते हुए प्रेस कांफ्रेंस करने वाले जस्टिस रंजन गोगोई मोदी दौर में ही चीफ जस्टिस बने। इंदिरा गांधी ने तो खुलेआम बहुमत के बल पर प्रतिबद्ध न्यायपालिका और ब्यूरोक्रेसी को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता घोषित किया था।

केशवानंद भारती मामला भारत में लोकतंत्र की हत्या कर इंदिरागांधी द्वारा न्यायाधीश को भयादोहित ,नियंत्रित और कब्जाने की नजीर है।इसकी चर्चा एकेडेमिक्स कभी नही करना चाहते है। 24 अप्रेल 1973 की तारीख को इस केस में निर्णय हुआ।68 दिन जिरह हुई। इंदिरा सरकार ने एड़ी चोटी का जोर लगाया लेकिन वह सुप्रीम कोर्ट में शिकस्त खा गई।भारत के न्यायिक इतिहास में पहली बार 13 जजों की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। 7-6 के बहुमत से निर्णय हुआ कि संसद को संविधान संशोधन का अधिकार तो है लेकिन ''आधारभूत सरंचना''बेसिक स्ट्रक्चर से छेड़छाड़ नही की जा सकती है।संवैधानिक सर्वोच्चता,विधि का शासन,कोर्ट की अक्षुण्य आजादी, संसदीय शासन, निष्पक्ष संसदीय चुनाव, गणतन्त्रीय ढांचा, सम्प्रभुता आधारभूत ढांचे में परिभाषित किये गए।इनमें किसी भी प्रकार के संशोधन निषिद्ध कर दिये गए।

बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य के देवता हैं विघ्नहर्ता गणेश

गणेशोत्सव हालांकि वैसे तो पूरे देश में मनाया जाता है और लोग अपने घरों में गणपति बप्पा की पूजा करते हैं लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व की विशेष धूम दिखाई देती है। जगह-जगह बड़े-बड़े आकर्षक पंडाल सजाए जाते हैं, जहां लोग एकजुट होकर भक्ति रस में सराबोर होकर भगवान गणेश की पूजा करते हैं। हर वर्ष की भांति मंगलमूर्ति गणेश एक बार फिर गणेशोत्सव अर्थात गणेश चतुर्थी के अवसर पर घर-घर पधार रहे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश का जन्म हुआ था। इसी चतुर्थी से आरंभ होकर गणेशोत्सव पूरे दस दिनों तक चलता है और विध्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की पूजा की जाती है।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर घरों में छोटी-बड़ी प्रतिमाओं के अलावा कई प्रमुख स्थानों पर भी भगवान गणेश की बड़ी-बड़ी प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं, जिनका लगातार नौ दिनों तक पूजन किया जाता है। दस दिन पश्चात अनंत चतुर्दशी के दिन पूरे जोश के साथ गणेश प्रतिमा को तालाब इत्यादि किसी जलस्रोत में विसर्जित कर दिया जाता है। गणपति विसर्जन को लेकर मान्यता है कि हमारा शरीर पंचतत्व से बना है और एक दिन उसी में विलीन हो जाएगा। इसी आधार पर अनंत चतुर्दशी के दिन गणपति विसर्जन किया जाता है। इस वर्ष कोरोना के चलते अधिकांश लोग ऐसे पंडालों या सार्वजनिक स्थलों के बजाय अपने-अपने घरों में ही गणपति की पूजा करेंगे और अधिकांश जगहों पर मूर्तियों का जलस्रोतों में विसर्जन भी नहीं होगा। गणेशोत्सव हालांकि वैसे तो पूरे देश में मनाया जाता है और लोग अपने घरों में गणपति बप्पा की पूजा करते हैं लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व की विशेष धूम दिखाई देती है। जगह-जगह बड़े-बड़े आकर्षक पंडाल सजाए जाते हैं, जहां लोग एकजुट होकर भक्ति रस में सराबोर होकर भगवान गणेश की पूजा करते हैं।

महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की परम्परा की शुरूआत के संबंध में कहा जाता है कि यह शुरूआत पेशवाओं द्वारा की गई थी और तब पुणे के प्रसिद्ध शनिवारवाड़ा नामक राजमहल में भव्य गणेशोत्सव मनाया जाता था। सार्वजनिक रूप से महाराष्ट्र में गणेशोत्सव को बड़े पैमाने पर मनाए जाने की शुरूआत 1893 में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बालगंगाधर तिलक द्वारा आजादी की लड़ाई में लोगों को एकजुट करने के उद्देश्य से की गई थी। गणेश बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य के देवता हैं और मान्यता है कि गणेश चतुर्थी पर गणपति बप्पा की पूजा करने से वे भक्तों के सारे कष्ट हर लेते हैं। सच्चे मन से उनकी पूजा करने से शुभ-लाभ की प्राप्ति तथा समृद्धि के साथ धन-धान्य की वृद्धि होती है। श्रीगणेश के अनेक प्रचलित नामों में से गजानन. लम्बोदर, विघ्ननाशक, विनायक, गणाध्यक्ष, एकदन्त, चतुर्बाहु, गजकर्णक, भालचन्द्र, कपिल, विकट, धूम्रकेतु, सुमुख इत्यादि काफी प्रसिद्ध हैं। बुद्धि, विवेक, धन-धान्य और रिद्धि-सिद्धि के कारक भगवान गणेश की पूजा गणेश चतुर्थी के दिन प्रायः दोपहर के समय ही की जाती है। इसके पीछे मान्यता है कि विध्नहर्ता गणेश का जन्म मध्यान्ह के समय हुआ था, इसीलिए गणेश चतुर्थी पर उनकी पूजा के लिए यही समय सर्वोत्तम माना गया है। माना जाता है उनकी पूजा करने से शनि की वक्रदृष्टि तथा ग्रहदोष से भी मुक्ति मिलती है।

गणेश जी की कृपा से समस्त कार्य बगैर किसी बाधा के पूर्ण होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीतवस्त्रधारी भगवान गणेश की पूजा सभी देवी-देवताओं में सबसे सरल मानी जाती है। वैसे तो देश में 33 करोड़ देवी-देवताओं की पूजा की जाती है लेकिन हिन्दू धर्म में गणेश जी को सभी देवों में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त है और प्रत्येक पूजा या कोई भी शुभ कार्य करने से पहले उनकी पूजा करने का विधान है। दरअसल उन्हें उनके पिता भगवान शिव ने ही यह विशेष वरदान दिया था कि हर पूजा या शुभ कार्य करने से पहले उनकी पूजा अनिवार्य होगी। शिवपुराण के अनुसार एक बार माता पार्वती ने स्नान से पूर्व अपने मैल से एक बालक उत्पन्न कर उसे अपना द्वारपाल बना दिया। जब पार्वती जी स्नान करने लगी, तब अचानक भगवान शिव वहां आए लेकिन द्वारपाल बने बालक ने उन्हें अंदर प्रवेश करने से रोक दिया।

08 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1331 स्टीफन उरोस चतुर्थ ने खुद को सर्बिया का राजा घोषित किया।
1449 टुमू किले का युद्ध- मंगोलिया ने चीन के सम्राट को बंधक बनाया।
1553 इंग्लेंड में लिचफिल्ड शहर का निर्माण।
1563 मैक्सीमिलियन को हंगरी का राजा चुना गया।
1689 चीन और रूस ने नेरट्सजिंस्क(निरचुल) की संधि पर हस्ताक्षर किया।
1900 टेक्सास के गैलवेस्टोन में चक्रवाती और ज्वारीय तूफान से 6000 लोगों की मौत
1952 जेनेवा में कॉपीराइट के लिये पहले विश्व सम्मेलन में भारत समेत 35 देशों ने किये हस्ताक्षर।
1962 चीन ने भारत की पूर्वी सीमा में घुसपैठ किया।
1988 जाने माने व्यवसायी विजयपत सिंघानिया अपने माइक्रो लाइट सिंगल इंजन एयरक्राफ्ट से लंदन से अहमदाबाद पहुँचे।
1991 मैसिडोनिया गणराज्य स्वतंत्र हुआ।
1997 अमेरिकी ओपन टेनिस चैम्पियनशिप में पैट्रिक राफ़्टर को प्रथम ग्रैंड स्लैम ख़िताब मिला।
1998 2001 में निर्धारित 13वें गुट निरपेक्ष आंदोलन की मेजबानी बांग्लादेश को सौंपी गयी।
2000 भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र शांति शिखर सम्मेलन के दौरान हिन्दी में भाषण देते हुए पाकिस्तान को लताड़ा।
2003 इस्रायल के प्रधानमंत्री एरियल शैरोन चार दिवसीय भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुँचे।

अनियंत्रित होते नेताओं के बोल

विचार बिन्दु

धनंजय कुमार

पक्ष और विपक्ष की प्रतिद्वंदिता को स्वस्थ बहस में तब्दील किया जाना बहुत ही आवश्यक हैं। इसके लिये विभिन्न दलों के मुखियाओं को यह ध्यान में रखना चाहिये।

आजकल जिस तरह से बड़ी पार्टियों के नेताओं के बोल अनियत्रित हो रहे हैं। वह बहुत ही दुःखद है। सबसे बड़ी बात तो यह हैं कि ये प्रखर नेता अपनी-अपनी पार्टियों के राज्य क्षत्रप भी है। साथ ही ये लोग सत्ता में हैं तो इन पर जनता के प्रति जवाबदेही की दोहरी ज़िम्मेदारी है। लेकिन इसके बावजूद इनके बोल अनियंत्रित कैसे हो रहे हैं यह समझ से परे हैं। क्योंकि इन नेताओं का वजूद अपनी-अपनी पार्टियों में अच्छा-खासा है, साथ ही जन मानस पर भी इनके कहे गये वाक्यों का असर अवश्य ही होता है। ये असरदार नेता इन पार्टियों का चेहरा होते है। पहले बात करते हैं शिवसेना के नेता संजय राउत की। इनके द्वारा कंगना रनौत को जिस भाषा में सवाल उठाया गया इसकी कोई आवश्यकता ही नहीं थी। इसके बाद कंगना ने जो जवाब दिया गया उसे भी शालीनता तो कतई नहीं कहा जा सकता। याद रहें कि राउत ने अभिनेत्री कंगना रनौत को मुंबई वापस न आने को कहा था। जिस पर उन्होंने अपना कमेंट् यह दिया-मुंबई पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर जैसा क्यों लग रहा है। इसके प्रति उत्तर में फिर कहा गया कि-'किसी के ...... में हिम्मत है तो रोक ले।' हमेशा चर्चा में रहने वाली इस अभिनेत्री को भी इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। हांलाकि उनकी बातों का बहुत हद तक समर्थन किया जा सकता है। क्योंकि हमारा देश सबका हैं किसी एक का नहीं। इस पर अधिक अनियंत्रित होकर कमेंट्स भी करने की कोई आवश्यकता महसूस नहीं की जाती। राउत भी शिवसेना के बड़े और जिम्मेदार नेता है और उनकी पार्टी महाराष्ट्र की सरकार में सबसे बड़ी भागीदार है। तब उन पर यह भी ज़िम्मेदारी बनती हैं कि वे अनियंत्रित बोल, बोलने से बचे ही नहीं वरन् सरकार को भी संकट में न डाले।

दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में अपने जनाधार को बढ़ाने में पिछले लोकसभा चुनाव में कामयाब रही भाजपा के नेता जबर्दस्त जोश में दिखाई देते हैं। हाल ही में भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं को जूतों से पीटा जाएगा। घोष ने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस बल के कर्मियों का एक समूह उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को धमकी दे रहा है और इसमें शामिल लोगों को छोड़ा नहीं जायेगा। सवाल यह उठता हैं कि भाजपा ही नहीं वरन् तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को भी अपना संयम बरतना चाहिये। जिससे कि कार्यकर्ता अनियंत्रित न हो। इस पर, तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बंदोपाध्याय ने उन्हें ऐसा करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, ''अगर उनमें हिम्मत है, तो पहले मुझे जूतों से पीट कर दिखाये, मैं उन्हें चुनौती देता हूँ.'' उन्होंने भाजपा नेता को ''अशिक्षित और असभ्य'' बताया। बेहतर होता सांसद महोदय इस तरह के बयान न देने के लिये घोष बाबू को संयमित बयानबाजी करने के लिए कहते। परंतु उन्होंने इसे और बढ़ाने का काम किया। फिर घोष यहीं नहीं रूके उन्होंने 24 परगना जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा, ''तृणमूल कांग्रेस की 2021 के विधानसभा चुनावों में पराजय होगी। चौराहों पर इसके कार्यकर्ताओं को निर्वस्त्र कर जूतों से पीटा जाएगा।'' राजनीतिक रूप से घोष अपने कार्यकर्ताओं के प्रति चिंतित हो सकते है, इसी पर उनका ये गुस्सा फूटा है। परंतु इतना अनियंत्रित होकर कार्यकर्ताओं को संबोधित करना सही नहीं है। हांलाकि यह भी सही है कि जैसे-जैसे पश्चिम बंगाल के चुनाव नजदीक आ रहे हैं। इनके कार्यकर्ताओं पर हमलों की संख्या में वृद्धि हो रही है। जिसे नियंत्रित करना दोनों ही पार्टियों की महती ज़िम्मेदारी है। पक्ष और विपक्ष दोनों का ही आचरण इस तरह का होना चाहिये कि उससे किसी भी प्रकार की जनहानि न हो। बेषक सबकी विचारधारा लोकतंत्र में एक सी नहीं होती। परंतु इसका अर्थ यह भी नहीं हैं कि बेखौफ होकर भाषा की मर्यादाओं का पालन न करें। अंततोगत्वा यक्ष प्रश्न यह भी हैं कि क्या पार्टियों को अपनी लोकप्रियता में वृद्धि करने के लिये इस तरह की मर्यादाओं का उल्लंघन करने पर पार्टी हाईकमान एक्शन भी लेने के बारे में उन्मुख नहीं होते। वह चाहे जिस भी पार्टी के नेता हो। यदि ऐसा होता भी हैं तो यह कहकर पल्ला झाड़ लिया जाता हैं कि ये उनके निजी विचार है। आखिर निजी विचार हैं तो फिर पार्टी के कौनसे विचार हैं। इस पर सभी चुप्पी साध लेते हैं। पुनश्चः कहना न होगा कि ये असरदार क्षत्रप नेता अपने मन में एक-दूसरे की पार्टियों के प्रति मन में गाठ बांध रहे हैं कि वे सत्ता में हैं और आये तो आने वाले समय में ऐसा कर सकते हैं। जो कि किसी भी हालत में नहीं होना चाहिये।

धूंए-धूंए में जिंदगी

हैल्थ संवाददाता

तंबाकू और धूम्रपान की लत ने कब हमारे जीवन में जगह बना ली, पता तक नहीं चल पाता। कभी दूसरे को देखकर, तो कभी बुरी संगत में आकर लोग सिगरेट, गुटखा, तंबाकू व दूसरी नशीली चीजों को साथी बना लेते हैं। इन्हें लेने वालों को लगता है कि इन चीजों ने उनकी जिंदगी आसान बना दी है। कई बार कम उम्र में ही खुद को बड़ों जैसा महसूस करने की ख्वाहिश में धुएं के छल्ले उड़ाने की ललक भी इस दलदल में धकेल देती है। जब इससे परेशानी होने लगती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हर कश स्वस्थ जीवन पर जुल्म ढाता है। हर पुड़िया में जिंदगी घुल रही है। तंबाकू की हर चुटकी जिंदगी को चाट रही है। इस मौके पर क्यों न ठान लें कि तंबाकू और धूम्रपान की इस लत से छुटकारा पाना ही है।

नुकसानदायक केमिकल

तंबाकू में चार हजार से ज्यादा नुकसानदायक केमिकल पाए जाते हैं। सिगरेट में 40 ऐसे रसायन हैं, जो कैंसर की वजह बनते हैं।

निकोटिन: यह लत लगाने वाला केमिकल है। काफी शक्तिशाली है और तेजी से रिऐक्शन करता है। सिगरेट की लत इसी की वजह से लगती है।

बेंजीन: इसमें कोयला और पेट्रोलियम जैसे ज्वलनशील पदार्थों का गुण होता है। यह सिगरेट के जले रहने में मदद करता है। इसकी वजह से ल्यूकेमिया हो सकता है।

फॉर्मल्डिहाइड: काफी जहरीला होता है। इसका इस्तेमाल शवों को सुरक्षित रखने में किया जाता है। इसकी वजह से कैंसर होने का खतरा रहता है।

अमोनिया: टॉयलेट क्लीनर और ड्रायक्लिनिंग लिक्विड में इस्तेमाल किया जाता है। यह तंबाकू से निकोटिन को अलग कर गैस में बदल देता है।

एसिटोन: इसका इस्तेमाल नेल पॉलिश हटाने में होता है। इसमें ज्वलनशील गुण होता है जो फेफड़ों को काफी नुकसान पहुंचाता है।

टार: स्मोकिंग के समय धुएं के रूप में यह फेफड़े में जमा होता है। स्मोकिंग के दौरान जितनी टार बनती है, उसका 70 फीसदी फेफड़ों में जमा होता है। आर्सेनिक (चूहे मारने का जहर), हाइड्रोजन साइनाइड जैसे काफी जहरीले रसायन भी होते हैं।

पनपता खतरा

एक सिगरेट में 9 मिग्रा निकोटीन होता है, जो जलकर 1 ग्राम रह जाता है। निकोटीन सीधा शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता लेकिन यह सैकड़ों केमिकल के साथ रिएक्शन कर टार बनाता है। यह टार फेफड़ों के ऊपर परत के रूप में चढ़ जाता है और बाद में उन्हें खत्म करने लगता है। अलग-अलग सिगरेट में निकोटीन का स्तर अलग-अलग होता है। सूखे हुए एक ग्राम तंबाकू में निकोटीन का स्तर 13.7 से 23.2 मिलीग्राम तक होता है। तंबाकू में कई तरह के कार्सिनोजिन तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर के कारण बनते हैं। धूम्रपान से लंग, मुंह, गला, कंठ, श्वासनली का कैंसर होने के चांस बढ़ जाते हैं। तंबाकू, खैनी, पान मसाला, गुटखा आदि के सेवन से भी इन अंगों के कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि कितने दिनों तक इसके इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है, इस बारे में साफतौर पर नहीं कहा जा सकता। जब कोई स्मोकिंग करता है तो गाल की अंदरूनी परत पर और फेफड़े में निकोटीन अवशोषित हो जाता है। इसकी लत कोकेन या हेरोइन की लत से कम नहीं होती। नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ड्रग ऐब्यूज के अनुसार कैंसर के जितने मामले होते हैं, उसके एक तिहाई स्मोकिंग करने वालों से जुड़े होते हैं।स्मोकिंग करने से फेफड़े की बीमारियां होती हैं और दिल की बीमारियां होने की आशंका बढ़ जाती है।धूम्रपान न करने वालों के मुकाबले इसे करने वालों की उम्र सामान्य से 14 साल कम हो जाती है।

निकोटिन की लत के लक्षण

अगर नीचे दिए गए लक्षण नजर आने लगें तो समझ लेना चाहिए कि इंसान को निकोटिन की लत लग चुकी है। भूख कम महसूस होना। अधिक लार और कफ बनना। प्रति मिनट दिल की धड़कन 10 से 20 बार बढ़ जाती है तो यह लत का लक्षण है। छोटी बात पर भी बेचैनी महसूस होना। ज्यादा पसीना आना और उल्टी-दस्त होना। हर काम करने के लिए तंबाकू की जरूरत महसूस होना। निकोटीन लेने की इच्छा बढ़ जाना। चिंता बढ़ना, अवसाद, निराशा आदि महसूस होना। सिर दर्द होना और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होने लगे तो भी इसे निकोटिन की लत का लक्षण माना जाता है।

कैसे बनते हैं चेन स्मोकर

जब कोई सिगरेट या बीड़ी पीता है तो ब्रेन में लगभग 10 सेकंड और उसके बाद सेंट्रल नर्वस सिस्टम में 5 मिनट तक निकोटिन का असर रहता है। हालांकि स्मोकिंग करने से थोड़ी देर के लिए काम करने की क्षमता बढ़ती है, लेकिन बाद में शरीर सुस्त होने लगता है। धीरे-धीरे काम करने की क्षमता कम होती जाती है और फिर धूम्रपान की जरूरत महसूस होती है। बार-बार इस तलब को मिटाने की कोशिश में इंसान चेन स्मोकर हो जाता है।

हर्बल सिगरेट

धूम्रपान छोड़ने के लिए हर्बल सिगरेट की भी मदद ली जा सकती है। आयुर्वेदिक दवाएं बनाने वाली कंपनियां हर्बल सिगरेट बना रही हैं। इनमें पुदीना, वाइल्ड लेटिस (सलाद पत्ता), कैट्रिनप (एक प्रकार की सुगंधित वनस्पति), कमल के पत्ते, मकई के रेशे, मुलेठी की जड़ें आदि के सूखे चूर्ण का इस्तेमाल होता है।

सिगरेट छुड़ाने के वैकल्पिक तरीके

ई-सिगरेट के मामलों से जुड़े विशेषज्ञ अंकित गौड़ का कहना है कि इससे शत-प्रतिशत निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच जाने का दावा तो नहीं किया जा सकता, लेकिन सिगरेट छोड़ने में इससे मदद जरूर मिलती है। इसमें कार्टेज में अलग-अलग स्तर में निकोटिन डाला जाता है। एक अध्ययन से पता चलता है कि जब कोई सिगरेट की 15 कश लेता है तो उसके अंदर 1 से 2 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है, जबकि ई-सिगरेट में 16 मिलीग्राम निकोटिन वाले कार्टेज का इस्तेमाल करने से इतनी ही कश लेने पर 0.15 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है। स्वास्थ के लिहाज से यह तरीका भी सही नहीं है क्योंकि इसके जरिए भी निकोटिन तो शरीर में जाता ही है। इसकी मदद से निकोटिन के स्तर को कम किया जा सकता है और धीरे-धीरे कोई स्मोकर निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच सकता है। पान की दुकानों पर, दवा की दुकानों पर और इंटरनेट के जरिए इसे खरीदा जा सकता है। पूरी किट 1 से 2 हजार तक मिल जाती है। इससे इतनी कीमत में लगभग 500 सिगरेट पी जा सकती हैं।

मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास: किसी प्रकार की लत होने से व्यक्ति का आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है। सिगरेट, तंबाकू, गुटखा, पान मसाला जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले भी अगर मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास करते हैं तो उनका आत्मबल बढ़ता है। ऐसे में इन लतों को त्याग पाने की इच्छा शक्ति उनके अंदर पैदा होती है।

सेहत को धुएं में उड़ाती ई-सिगरेट

यूं तो ई-सिगरेट का इस्तेमाल सिगरेट छोड़ने वाले लोग एक माध्यम के तौर पर करते हैं, लेकिन भारत में बिना किसी नियम-कानून के चलते, दिन दोगुनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रहा यह बाजार अब पूरी तरह से बेलगाम हो गया है। आलम यह है कि अभी तक सिगरेट छुड़ाने के लिए इलाज के एक माध्यम के रूप में बाजार में मिलने वाली यह ई-सिगरेट, नए तरह का नशा बनकर उभर रही है। डॉक्टरों के अनुसार बाजार में मिलने वाली ई-सिगरेट्स में कई ब्रैंड ऐसे हैं, जिनमें सामान्य सिगरेट से भी कहीं ज्यादा मात्रा में निकोटीन है।

सिगरेट की तरह ही खतरनाक है ई-सिगरेट

इस साल अक्टूबर में मॉस्को में हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के तंबाकू नियंत्रण सेमिनार में ई-सिगरेट को सामान्य सिगरेट के जैसे ही खतरनाक और नुकसानदायक माना। वहीं सितंबर में दिल्ली में दक्षिण-एशियाई देशों की बैठक में भी इसे नुकसानदायक करार दिया गया है। यही कारण है कि भारत में ई-सिगरेट पर कड़े नियम बनाने की मांग बढ़ गई है।

नियम ही नहीं हैं, तो क्या करें

भारत में सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट पीने पर प्रतिबंध है, लेकिन ई-सिगरेट पीने पर कोई नियम-कानून नहीं है। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों में ऑनलाइन ई-सिगरेट मंगाने का ट्रेंड बहुत ज्यादा बढ़ा है। मुंबई की हील्स फाउंडेशन के डॉ. प्रकाश गुप्ता का कहना है कि ई-सिगरेट में निकोटीन के ऐसे उत्पाद हैं, जिन्हें बिना किसी रोक-टोक के आसानी से इंटरनेट से मंगाया जा रहा है। भारत में तंबाकू पर बने कानून के तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू प्रॉडक्ट नहीं दिए जाते, जबकि इंटरनेट के माध्यम से ई-सिगरेट किसी भी उम्र के लोग मंगा रहे हैं। गौरतलब है कि ई-सिगरेट बनाने वाली कंपनियां इसे सामान्य सिगरेट से कम हानिकारक के तौर पर प्रचारित कर रही हैं, लेकिन डॉक्टरों की राय इससे जुदा है। टाटा अस्पताल के हेड ऐंड नेक सर्जन, डॉ. पंकज चतुर्वेदी का कहना है कि किसी भी रिसर्च के माध्यम से यह साबित नहीं हुआ है कि ई-सिगरेट, सिगरेट के डी-अडिक्शन के लिए किसी भी तरह से कारगर साबित हुई है बल्कि, यह उतनी ही नुकसानदायक है जितनी सामान्य सिगरेट। कई ब्रैंड के ई-सिगरेट में 36 मिलीग्राम तक निकोटीन की मात्रा होती है, जो उसे सामान्य सिगरेट से भी ज्यादा खतरनाक बनाती है।

क्या है ई-सिगरेट

ई-सिगरेट बैटरी से चलने वाले ऐसा उपकरण है, जो निकोटीन को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाता है। ई-सिगरेट, देखने में बिलकुल सामान्य सिगरेट या सिगार जैसी प्लास्टिक या मेटल से बनी होती है। बाजार में ई-सिगरेट के 7764 से भी ज्यादा फ्लेवर उपलब्ध हैं। यह सही है कि भारत में अभी तक ई-सिगरेट को लेकर कोई नियम नहीं है, लेकिन सरकार जल्द ही इस पर नियम लाने की तैयारी में है।

क्या है स्वाइन फ्लू

स्वाइन फ्लू श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारी है, जो ए टाइप के इनफ्लुएंजा वायरस से होती है। यह वायरस एच1 एन1 के नाम से जाना जाता है और मौसमी फ्लू में भी यह वायरस सक्रिय होता है। 2009 में जो स्वाइन फ्लू हुआ था, उसके मुकाबले इस बार का स्वाइन फ्लू कम पावरफुल है, हालांकि उसके वायरस ने इस बार स्ट्रेन बदल लिया है यानी पिछली बार के वायरस से इस बार का वायरस अलग है।

कैसे फैलता है

जब आप खांसते या छींकते हैं तो हवा में या जमीन पर या जिस भी सतह पर थूक या मुंह और नाक से निकले द्रव कण गिरते हैं, वह वायरस की चपेट में आ जाता है। यह कण हवा के द्वारा या किसी के छूने से दूसरे व्यक्ति के शरीर में मुंह या नाक के जरिए प्रवेश कर जाते हैं। मसलन, दरवाजे, फोन, कीबोर्ड या रिमोट कंट्रोल के जरिए भी यह वायरस फैल सकते हैं, अगर इन चीजों का इस्तेमाल किसी संक्रमित व्यक्ति ने किया हो।

शुरुआती लक्षण

- नाक का लगातार बहना, छींक आना, नाक जाम होना।
- मांसपेशियां में दर्द या अकड़न महसूस करना।
- सिर में भयानक दर्द।
- कफ और कोल्ड, लगातार खांसी आना।
- उनींदे रहना, बहुत ज्यादा थकान महसूस होना।
- बुखार होना, दवा खाने के बाद भी बुखार का लगातार बढ़ना।
- गले में खराश होना और इसका लगातार बढ़ते जाना।

नॉर्मल फ्लू से कैसे अलग

सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के वायरस में एक फर्क होता है। स्वाइन फ्लू के वायरस में चिड़ियों, सूअरों और इंसानों में पाया जाने वाला जेनेटिक मटीरियल भी होता है। सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के लक्षण एक जैसे ही होते हैं, लेकिन स्वाइन फ्लू में यह देखा जाता है कि जुकाम बहुत तेज होता है। नाक ज्यादा बहती है। पीसीआर टेस्ट के माध्यम से ही यह पता चलता है कि किसी को स्वाइन फ्लू है। स्वाइन फ्लू होने के पहले 48 घंटों के भीतर इलाज शुरू हो जाना चाहिए। पांच दिन का इलाज होता है, जिसमें मरीज को टेमीफ्लू दी जाती है।

स्वाइन फ्लू से बचाव और इसका इलाज

- साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए और फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही सावधानी बरती जाए, तो इस बीमारी के फैलने के चांस न के बराबर हो जाते हैं।
- जब भी खांसी या छींक आए रूमाल या टिश्यू पेपर यूज करें।
- इस्तेमाल किए मास्क या टिश्यू पेपर को ढक्कन वाले डस्टबिन में फेंकें।
- थोड़ी-थोड़ी देर में हाथ को साबुन और पानी से धोते रहें।
- लोगों से मिलने पर हाथ मिलाने, गले लगने या चूमने से बचें।
- फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

Swine flu alert!

स्वाइन फ्लू एक बार फिर देश में पांव पसार रहा है, जिससे मौत का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। दिन-प्रतिदिन स्वाईन फ्लू के नए-नए मामले सामने आते जा रहे है। फ्लू से डरने के बजाय जरूरत इसके लक्षणों के बारे में जानने और सावधानी बरतने की है।

यह रहें सावधान

5 साल से कम उम्र के बच्चे, 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं। जिन लोगों को निम्न में से कोई बीमारी है, उन्हें अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए = फेफड़ों, किडनी या दिल की बीमारी मस्तिष्क संबंधी (न्यूरोलॉजिकल) बीमारी मसलन, पर्किंसन कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग डायबीटीजं ऐसे लोग जिन्हें पिछले 3 साल में कभी भी अस्थमा की शिकायत रही हो या अभी भी हो। ऐसे लोगों को फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं का प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) शरीर में होने वाले हॉरमोन संबंधी बदलावों के कारण कमजोर होता है। खासतौर पर गर्भावस्था के तीसरे चरण यानी 27वें से 40वें सप्ताह के बीच उन्हें ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है।

चिंता की बात

इस बीमारी से लड़ने के लिए सबसे जरूरी है दिमाग से डर को निकालना। ज्यादातर मामलों में वायरस के लक्षण कमजोर ही दिखते हैं। जिन लोगों को स्वाइन फ्लू हो भी जाता है, वे इलाज के जरिए सात दिन में ठीक हो जाते हैं। कुछ लोगों को तो अस्पताल में एडमिट भी नहीं होना पड़ता और घर पर ही सामान्य बुखार की दवा और आराम से ठीक हो जाते हैं। कई बार तो यह ठीक भी हो जाता है और मरीज को पता भी नहीं चलता कि उसे स्वाइन फ्लू था। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि जिन लोगों का स्वाइन फ्लू टेस्ट पॉजिटिव आता है, उनमें से इलाज के दौरान मरने वालों की संफ्या केवल 0.4 फीसदी ही है। यानी एक हजार लोगों में चार लोग। इनमें भी ज्यादातर केस ऐसे होते हैं, जिनमें पेशंट पहले से ही हार्ट या किसी दूसरी बीमारी की गिरफ्त में होते हैं या फिर उन्हें बहुत देर से इलाज के लिए लाया गया होता है।

कब तक रहता है वायरस

एच1एन1 वायरस स्टील, प्लास्टिक में 24 से 48 घंटे, कपड़े और पेपर में 8 से 12 घंटे, टिश्यू पेपर में 15 मिनट और हाथों में 30 मिनट तक एक्टिव रहते हैं। इन्हें खत्म करने के लिए डिटर्जेंट, एल्कॉहॉल, ब्लीच या साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। किसी भी मरीज में बीमारी के लक्षण इन्फेक्शन के बाद 1 से 7 दिन में डिवेलप हो सकते हैं। लक्षण दिखने के 24 घंटे पहले और 8 दिन बाद तक किसी और में वायरस के ट्रांसमिशन का खतरा रहता है।

आयुर्वेद

ऐसे करें बचाव

इनमें से एक समय में एक ही उपाय आजमाएं। 4-5 तुलसी के पत्ते, 5 ग्राम अदरक, चुटकी भर काली मिर्च पाउडर और इतनी ही हल्दी को एक कप पानी या चाय में उबालकर दिन में दो-तीन बार पिएं। गिलोय (अमृता) बेल की डंडी को पानी में उबाल या छानकर पिएं। गिलोय सत्व दो रत्ती यानी चौथाई ग्राम पौना गिलास पानी के साथ लें। 5-6 पत्ते तुलसी और काली मिर्च के 2-3 दाने पीसकर चाय में डालकर दिन में दो-तीन बार पिएं।- आधा चम्मच हल्दी पौना गिलास दूध में उबालकर पिएं। आधा चम्मच हल्दी गरम पानी या शहद में मिलाकर भी लिया जा सकता है।

‘गोट’ : ऑनलाइन लीक हुई विजय की फिल्म...

मुंबई। सुपरस्टार विजय की तमिल फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम पिछले काफी समय से चर्चा में थी। अब यह फिल्म रिलीज हो चुकी है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को दर्शकों का उम्मीद के मुताबिक प्यार नहीं मिल सका है। पहले दो दिन में इस फिल्म ने भारत में महज 69.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। यह एक साइंस फिक्शन एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें विजय ने डबल रोल निभाया है। टिकट खिड़की पर फिल्म की सुस्त रफ्तार के बीच अब फिल्म के मेकर्स को एक और बड़ा झटका लगा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फिल्म एचडी क्वालिटी में ऑनलाइन लीक हो गई है।

लाइफ Style

रश्मिका

लगातार 8 फिल्मों से मचाएंगी धमाल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रश्मिका मंदाना की आने वाले दिनों में आठ फिल्में आने वाली हैं। इन फिल्मों की अनाउंसमेंट हो चुकी है। आइए आपको इन फिल्मों के बारे में बताते हैं। 6 दिसंबर के दिन रश्मिका मंदाना की मोस्ट अवेटेड फिल्म ‘पुष्पा 2 द रूल’ रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन भी रहेंगे। ‘पुष्पा 2 द रूल’ बॉक्स ऑफिस पर ‘छावा’ से टकराएगी। दिलचस्प बात ये है कि ये दोनों फिल्में 6 दिसंबर के दिन रिलीज होंगी और ये दोनों रश्मिका मंदाना की फिल्में हैं। ऐसे में हो सकता है कि आने वाले दिनों में इनकी रिलीज डेट बदल जाए। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान की फिल्म ‘सिकंदर’ में रश्मिका मंदाना नजर आने वाली है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है और ये फिल्म अगले साल रिलीज होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, स्त्री यूनिवर्स की अगली फिल्म ‘वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर’ में रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना नजर आने वाले हैं। रश्मिका मंदाना बहुत जल्द रणबीर कपूर के साथ ‘एनिमल पार्क’ की शूटिंग शुरू करेंगी। बता दें, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है। इन फिल्मों के अलावा, रश्मिका मंदाना की ‘द गर्लफ्रेंड’, ‘कुबेर’ और ‘रेनबो’ भी पाइपलाइन में हैं।

रश्मिका मंदाना बहुत जल्द रणबीर कपूर के साथ ‘एनिमल पार्क’ की शूटिंग शुरू करेंगी। बता दें, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है। इन फिल्मों के अलावा, रश्मिका मंदाना की ‘द गर्लफ्रेंड’, ‘कुबेर’ और ‘रेनबो’ भी पाइपलाइन में हैं।

हॉलीवुड मसाला

जैकमैन ने दिखाए एब्स...

लॉस एंजिलिस। अभिनेता ह्यू जैकमैन हाल ही में, डेडपूल एंड वूल्वरिन फिल्म में नजर आए थे। इस फिल्म का दर्शकों ने जमकर आनंद लिया और वूल्वरिन के रूप में जैकमैन के काम को भी खूब सराहा। ह्यू जैकमैन अगले महीने 12 अक्तूबर को 56 साल के हो जाएंगे। इसी बीच, उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा करते हुए अपने एब्स दिखाए है, जिन्हें देखकर कई लोग हक्के-बक्के रह गए हैं। ह्यू जैकमैन ने अपने एक्स हैंडल पर एक वॉयस नोट शेयर करते हुए लिखा कि मैं आभारी हूं।

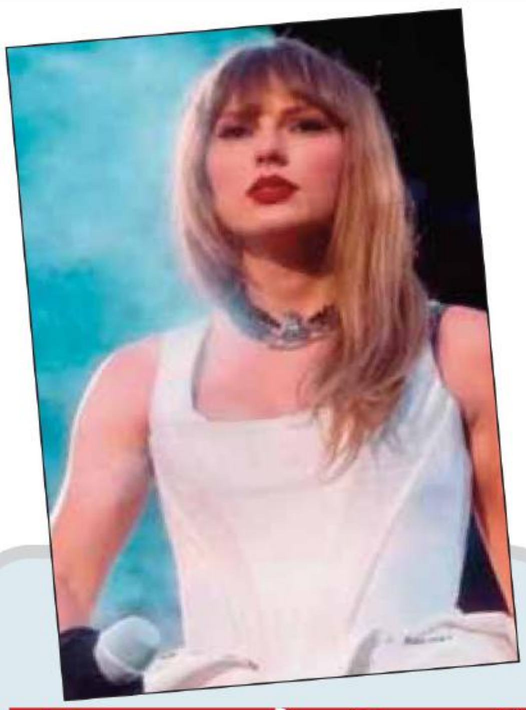

पॉप स्टार और खिलाड़ी का दिखेगा रोमांस...

लॉस एंजिलिस। मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट को हाल ही में, अपने प्रेमी ट्रैविस केल्स के मैच के दौरान उनका हौसला बढ़ाते हुए देखा गया। ट्रैविस केल्से एक फुटबॉल खिलाड़ी हैं, जो कैनसस सिटी चीफ्स की ओर से खेलते हैं। उनकी टीम ने बाल्टीमोर रेवेन्स को मात दी है। दोनों का रिश्ता काफी चर्चा में हैं और इसी बीच खबर आ रही है कि दोनों के रिश्ते से प्रेरित होकर एक फिल्म भी बनाई जा रही है। टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस ने पहली दफा अपने अफेयर की पुष्टि अक्टूबर 2023 में की थी। दोनों को साथ आए एक साल होने वाला है। हॉलीवुड रिपोर्टर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के प्रेम संबंध से प्रेरित होकर बन रही फिल्म का नाम ‘क्रिसमस इन द स्पॉटलाइट’ है।

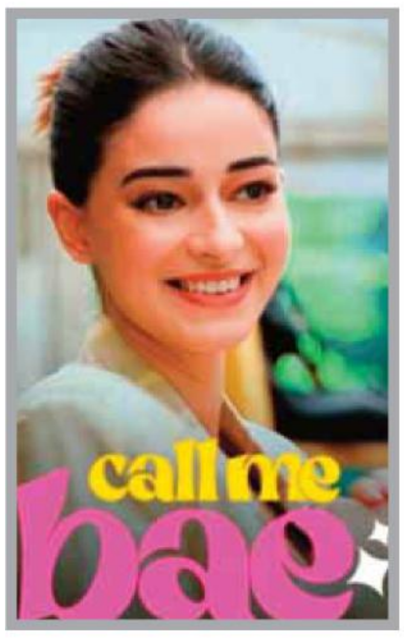

‘उड़ान’ से हूं मोटवानी की फैन...

मुंबई। अभिनेत्री अनन्या पांडे ओटीटी पर डेब्यू कर चुकी हैं। उनकी सीरीज ‘कॉल मी बे’ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। अनन्या जल्द ही फिल्म ‘सीटीआरएल’ में भी नजर आने वाली हैं, जिसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। अनन्या इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं और इसकी रिलीज से पहले उन्होंने विक्रमादित्य के साथ काम करने को लेकर कुछ बातें साझा की हैं। अनन्या पांडे ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि वो विक्रमादित्य मोटवानी की ‘उड़ान’ फिल्म देखने के बाद से ही उनकी फैन हैं और जब मोटवानी ने अपनी फिल्म ‘सीटीआरएल’ में काम करने के लिए उनसे संपर्क किया तो उन्हें भरोसा ही नहीं हो रहा था। बता दें कि विक्रमादित्य उड़ान के अलावा लुटेरा और ट्रैप्ड भी बना चुके हैं। इन फिल्मों को लोग काफी पसंद करते हैं।

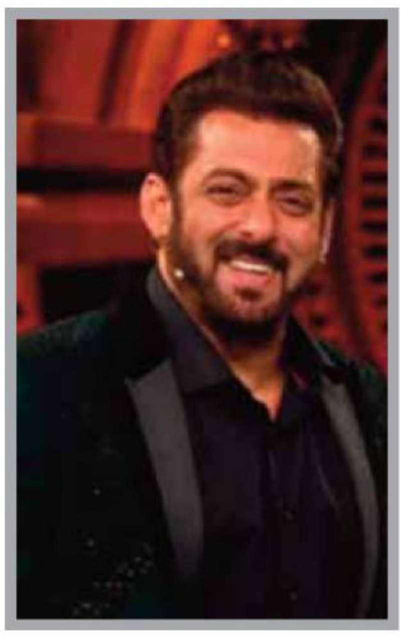

‘गजनी’ के लिए सल्लू थे फर्स्ट च्वाइस

मुंबई। क्या आप जानते हैं कि साल 2008 में आई आमिर खान की ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म ‘गजनी’ असल में सलमान खान को मिलने वाली थी। लेकिन फिर ऐसा क्या हुआ कि पासा पलट गया और जो फिल्म असल में बॉलीवुड के भाईजान की किस्मत में लिखी थी वो मिस्टर परफेक्शनिस्ट के हाथ लग गई? दरअसल ऐसा इसलिए हुआ फिल्म के डायरेक्टर ने कास्टिंग को लेकर पहले एक्टर प्रतीप राम सिंह रावत के साथ बातचीत की थी। जो लोग नहीं जातने उन्हें बता दें कि प्रदीप वही एक्टर हैं जिन्होंने फिल्म गजनी में ‘गजनी’ नाम के विलेन का किरदार निभाया था। डायरेक्टर मुरुगादास ने प्रदीप से कुछ नाम सुझाते हुए उनसे कहा कि आप बॉलीवुड में सभी को जानते हो। मुझे पता है कि आप सलमान के करीबी रहे हो। सलमान को लेते हैं। प

टीवी मसाला

फिर पुराने अवतार में लौटेगा अनुज अनुपमा के कहने पर करेगा यह काम

मुंबई। अनुपमा सीरियल के अपकमिंग एपिसोड का स्पॉयलर जारी कर दिया गया है। अब गणेश चतुर्थी के महाएपिसोड में दर्शकों को वो देखने मिलेगा जिसका फैंस पिछले कई महीनों से इंतजार कर रहे हैं। सबका चहेता, द हैंडसम हंक अनुज कपाड़िया फिर एक बार अपने पुराने अवतार में लौटेगा। इतना ही नहीं अनुपमा और अनुज की जोड़ी साथ में गणेश चतुर्थी का सेलिब्रेशन करती नजर आएगा। प्रोमो वीडियो में इस लुक की झलक जारी की गई है जिसे देखने के बाद फैंस के लिए अगले एपिसोड का इंतजार कर पाना मुश्किल होगा। नए प्रोमो वीडियो में दिखाया गया है कि अनुपमा, अनुज और आध्या जब साथ मिलकर पूजा की तैयारियां कर रही हैं तब ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर बातचीत की जाएगी। अनुपमा की बेटी आध्या अपने पिता की सूरत देखकर कहेगी कि पॉप्स मुझे लगता है कि सागर ब्रो की तरह आपको भी ट्रांसफॉर्मेशन की जरूरत है।

दादी-सा का प्लान चौपट करेगी अभिरा

मुंबई। ‘ये रिश्ता क्या कहलाता है’ में अभिरा लोन लिए बिना फंक्शन का आयोजन करेगी। जी हां, आने वाले एपिसोड में दिखाया जाएगा कि अभिरा कोर्ट से घर वापस आएगी और सिर पर हिमाचली टोपी पहनकर ढोल की थाप पर नाचने लगेगी। वह नाचते-नाचते पौद्दार हाउस पहुंचेगी और सबको अपने पेंट हाउस में होने वाले शादी के फंक्शन के लिए इन्वाइट करेगी। दादी-सा हैरान रह जाएंगी। दादी-सा सबके सामने अभिरा से पूछेंगी कि उसके पास इतने पैसे कहां से आए। अरमान, दादी-सा की बात का जवाब देते हुए कहेगा, ‘लोन से! और कहां से आएंगे दादी-सा?’ अभिरा घबराने लगेगी क्योंकि अभिरा ने अरमान को दादी-सा की दी हुई धमकी के बारे में कुछ नहीं बताया है। वह कहेगी, ‘नहीं अरमान! लोन अभी तक अप्रूव नहीं हुआ है। ये मेरे मम्मा पापा के पैसे हैं।’

‘गेम चेंजर’ से राम चरण का नया पोस्टर जारी...

मुंबई। आज गणेश चतुर्थी के अवसर पर बॉलीवुड सितारे फैंस को बधाई दे रहे हैं। बप्पा की पूजा-अर्चना करते तस्वीरें साझा कर रहे हैं। इस अवसर पर राम चरण ने भी फैंस को बधाई दी है, लेकिन एक स्पेशल तोहफे के साथ। राम चरण ने अपनी आगामी फिल्म ‘गेम चेंजर’ का नया पोस्टर जारी किया है। इसमें वे सिर पर गमछा बांधे चेहरे पर मुस्कान ओढ़े कुछ इस अंदाज में नजर आ रहे हैं, जैसे डांस कर रहे हों। राम चरण ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्टर साझा किया है। इसके साथ लिखा है, ‘गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं’। दरअसल, इस पोस्टर के साथ एक्टर ने फिल्म के दूसरे गाने के रिलीज पर भी अपडेट साझा किया है। पोस्टर में लिखा है, ‘फिल्म का दूसरा सिंगल इसी सितंबर में रिलीज होगा’। फिलहाल पोस्टर में जो नजारा देखने को मिला है, उससे लग रहा है फिल्म का गाना काफी धूम-धड़ाके वाला होगा और ‘नाटू नाटू’ के बाद एक बार फिर राम चरण थिरकते दिखेंगे।

जैकलीन : क्रिप्टिक पोस्ट से फैंस कंफ्यूज्ड...

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज आज बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम हैं। जैकलीन न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। अब तक के फिल्मी सफर में जैकलीन ने कई हिट फिल्में दी हैं। फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खबरों में छाई रहती हैं। जैकलीन, सुकेश चंद्रशेखर संग अपने कथित रिश्ते की वजह से भी काफी चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने एक क्रिप्टिक वीडियो शेयर किया है, जो काफी च चर्चा में बना हुआ है। इस वीडियो ने फैंस की एक्साइटमेंट को काफी बढ़ा दिया है। जैकलीन फर्नांडीज ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में जैकलीन गार्डन में बैठी नजर आ रही हैं। इस दौरान जैकलीन के हाथ में एक नोटबुक है और वो उस पर कुछ नोट्स लिखती हुई दिखाई दे रही हैं।

राजकुमार राव ने घर पर ही बनाई प्रतिमा

गणपति बप्पा मोरया, बॉलीवुड में गणेश चतुर्थी की रौनक

मुंबई। आज हर तरफ गणेश चतुर्थी पर्व की धूम है। जगह-जगह पंडाल सजे हैं। वहीं, कुछ लोग अपने घर बप्पा का स्वागत कर रहे हैं। बॉलीवुड में भी इस मौके पर खूब रौनक है। शिल्पा शेट्टी से लेकर अनन्या पांडे और पलक मुच्छल तक तमाम सितारों ने अपने घर गणपति बिठाए हैं। तो दूसरी तरफ कुछ सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर फैंस को बधाई दी है। आइए देखते हैं...

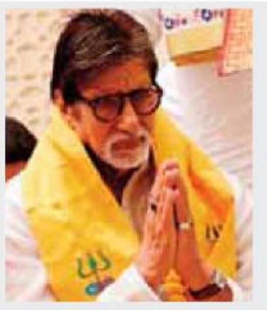

अमिताभ ने दी बधाई

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने इस मौके पर पोस्ट शेयर कर फैंस को बधाई दी है। एक यूजर ने लिखा है, ‘आज के इस पावन दिवस की अनेक अनेक शुभकामनाएं, स्नेह आदर’।

राजकुमार ने बटोरी चर्चा

इन दिनों फिल्म स्त्री 2 को लेकर चर्चा बटोर रहे राजकुमार राव ने भी पोस्ट साझा किया है। राजकुमार राव ने बप्पा की ईको फ्रेंडली मूर्ति खुद अपने घर बनाई है। उन्होंने लिखा है, ‘मिलिए हमारे सुपर ईको फ्रेंडली गणपति जी से। इन्हें हमने घर पर बनाया है। गणपति बप्पा मोरया’।

अक्षय ने किया प्रोजेक्ट का ऐलान

अभिनेता अक्षय कुमार ने भी गणेश चतुर्थी पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ उन्होंने किसी दिलचस्प प्रोजेक्ट के ऐलान का भी संकेत दिया है। इसके अलावा सोनाक्षी सिन्हा और कंगना रनौत ने भी गणेश चतुर्थी पर्व की शुभकामनाएं दी हैं।

अनन्या ने शेयर किया पोस्ट

अनन्या पांडे के घर भी बप्पा विराजे हैं। उन्होंने भी सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने भी गणेश चतुर्थी पर पोस्ट साझा कर बधाई दी है। इनके अलावा माधुरी दीक्षित, सोनम कपूर, दिलजीत दोसांझ, अल्लू अर्जुन आदि सितारों ने भी पोस्ट साझा किए हैं।

छोटे पर्दे पर दोबारा छा जाने को तैयार चंदन

मुंबई। अपनी कॉमेडी से घर-घर में पहचान बनाने वाले कॉमेडियन चंदन प्रभाकर जल्द ही बिग बॉस 18 में नजर आ सकते हैं। कपिल शर्मा के शो के जरिए उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी खास पहचान बनाई है। इस शो को उन्होंने कई वर्ष पहले छोड़ दिया था, लेकिन अब वह छोटे पर्दे पर एक बार फिर से धमाकेदार अंदाज में नजर आ सकते हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स के दावों के अनुसार बिग बॉस के निर्माताओं ने उनसे सलमान खान के रियलिटी शो के आगामी सीजन के लिए संपर्क किया है। कथित तौर पर चंदन और निर्माताओं के बीच शो को लेकर बातचीत चल रही है।

ईटीएफ में पैसा लगाकर देखें भूल जाएंगे म्यूचुअल फंड!

- खास रणनीति के तहत ही ईटीएफ में निवेश करना होगा
- निवेश के दूसरों विकल्पों के मुकाबले ज्यादा मुनाफा देगा
- म्यूचुअल फंड से तुलना करें तो ईटीएफ ने मोटा पैसा दिया
- गत वर्षों में ईटीएफ की तरह लोगों का झुकाव बढ़ा है

निवेश करने जा रहे हैं तो यह जान लें कि 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल म्यूचुअल फंड में एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी है। यह नियम इस बात पर आधारित है कि समय और चक्रवृद्धि ब्याज निवेश में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस रणनीति में यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश सालाना किस दर से बढ़ेगा। इससे कम्पाउंडिंग की ताकत को समझने में मदद मिलती है और निवेशक आसानी से अपना पैसा बढ़ा लेता है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

पिछले करीब तीन दशक से म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन बना हुआ है, खासकर युवाओं को म्यूचुअल फंड में एसआईपी बेहतर विकल्प लगता है, क्योंकि छोटी-छोटी रकम से निवेश की शुरुआत कर सकते हैं और उससे बड़ा फंड जुटा सकते हैं, लेकिन फिलहाल ईटीएफ की खूब बात हो रही है। कुछ लोग तो ईटीएफ को म्यूचुअल फंड से निवेश के लिए बेहतर विकल्प मान रहे हैं। हालांकि अभी भी देश में ईटीएफ के मुकाबले म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या काफी ज्यादा है, लेकिन ये भी सच है कि गत वर्षों में ईटीएफ की तरह लोगों का झुकाव बढ़ा है, निवेशक अब ईटीएफ के बारे में गहराई से जानना चाहते हैं। अगर आप भी ईटीएफ में निवेश करना चाहते हैं तो हम आपको बताते हैं कि कब और कैसे निवेश कर पैसा बना सकते हैं। जब आप खास रणनीति के तहत ईटीएफ में निवेश करेंगे, तो दूसरों के मुकाबले ज्यादा प्रॉफिट निकाल पाएंगे। जहां तक म्यूचुअल फंड से ईटीएफ की तुलना की बात है, तो बीते कुछ वर्षों में ईटीएफ ने मोटा पैसा बनाकर दिया है, जो कि म्यूचुअल फंड के मुकाबले ज्यादा है। जिस वजह से ईटीएफ ने निवेशकों को आकर्षित किया है।

ईटीएफ क्या है?

आसान तरीके से समझें तो ईटीएफ एक प्रकार का निवेश का विकल्प है। एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के जरिये शेयर बाजार में निवेश किए जाते हैं। ईटीएफ के माध्यम से शेयरों के एक सेट में निवेश किया जाता है। ये आमतौर पर एक खास इंडेक्स को ट्रैक करता है। ईटीएफ व्यापार शेयरों में व्यापार के समान है। ईटीएफ में बांड, या स्टॉक खरीदे बेचे जाते हैं। एक एक्सचेंज ट्रेडेड फंड एक म्यूचुअल फंड की तरह है, लेकिन म्यूचुअल फंड के विपरीत, ईटीएफ को ट्रेडिंग अवधि के दौरान किसी भी समय बेचा जा सकता है।

ईटीएफ कैसे खरीदें?

शेयर की तरह ही ईटीएफ को स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जाता है। ईटीएफ को ट्रेडिंग अवधि के दौरान किसी भी समय बेचा जा सकता है। बिल्कुल जिस तरह आप शेयर खरीद और बेचते हैं। ईटीएफमें निवेश के लिए आपके पास एक डिमैट अकाउंट होना जरूरी है।

ईटीएफ में कब निवेश करें

ईटीएफ में निवेश करने वालों के लिए यही समय चुनना सबसे जरूरी होता है। आप बिना जानकारी के ईटीएफ में पैसे लगाकर फंस सकते हैं। इसलिए ईटीएफ निवेश का सबसे आसान तरीका है- 'बॉय ऑन डिप्स', यानी जब-जब बाजार में या ईटीएफ इंडेक्स में गिरावट आए आप ईटीएफ में पैसे लगाएं।

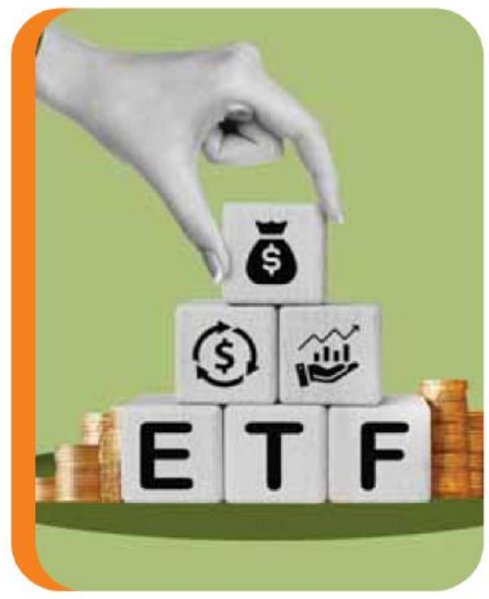

ऐसे करें निवेश

उदाहरण के लिए अगर महीने में 5 दिन ही शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो आप इन 5 दिन में ही ईटीएफ में पैसे लगाएं। अगर आपको 50,000 रुपये ईटीएफ में लगाना है, तो आप उसे 5 भागों में बांट दें, और जिस-जिस दिन इंडेक्स में गिरावट देखने को मिले, उस-उस दिन 10-10 हजार करके निवेश कर दें। इसके अलावा एक और खास फॉर्मूला है-7, 14, 21, 28। आप महीने की ये 4 तारीख को नोट कर लें। अगर आपको ईटीएफ में हर महीने 20 हजार रुपये लगाना है तो आप 7 तारीख को 5000, 14 तारीख को 5000 रुपये, 21 तारीख को 5 हजार और 28 तारीख को 5 हजार अपने पसंदीदा ईटीएफ में लगा दें, आपको दूसरों के मुकाबले बेहतर रिटर्न मिलेंगे। अगर 7, 14, 21, 28 तारीख को शनिवार या रविवार रहता है तो फिर एक दिन आगे पीछे कर सकते हैं, लेकिन इस फॉर्मूले में जब आप कई महीने तक ईटीएफ में पैसे लगाएंगे, तो जब-जब बाजार ऊपर जाएगा, आपका पोर्टफोलियो ज्यादा ग्रीन दिखेगा।

रिटेल निवेशकों में लोकप्रिय

रिटेल निवेशकों में धीरे-धीरे ईटीएफ लोकप्रिय हो रहा है। इसका कारण है कि इसका शानदार रिटर्न। कुछ ईटीएफ ने बीते एक साल में ही 100 फीसदी तक रिटर्न दिया है. ईटीएफ के जरिये इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड्स में निवेश किए जाते हैं. एम्फी के अनुसार ईटीएफ वे फंड हैं, जो सीएनएक्स निफ्टी या बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। हर ईटीएफ के लिए फंड मैनेजर होते हैं, जिससे निवेशक को शेयरों की खरीदारी या बिकवाली नहीं करनी पड़ती है।

निवेश करना इसलिए फायदेंमंद

- जिस तरह से शेयर की खरीद-बिक्री करते हैं, ठीक उसी तरह से ईटीएफ की भी खरीद-बिक्री कर सकते हैं।
- शेयर बाजार में ट्रेडिंग के दौरान ईटीएफ पर नजर रख सकते हैं, इसमें निवेश ज्यादा पारदर्शी होता है।
- ईटीएफ को आसानी से बेचा जा सकता है, जिस तरह से शेयर को बेचते हैं।
- ईटीएफ के जरिये अलग-अलग सेक्टर में निवेश किया जा सकता है।
- ईटीएफ से मिलने वाले डिविडेंड पर कोई आयकर नहीं लगता है।
- म्यूचुअल फंड के मुकाबले ईटीएफ में निवेश पर कम एक्सपेंस रेशियो लगता है।
- ईटीएफ की निकासी पर निवेशकों को कोई एग्जिट लोड नहीं देना पड़ता है।
- अगर म्यूचुअल फंड में एसआईपी करते हैं तो हर महीने ये ऑटोडेबिट हो जाएगा, जबकि ईटीएफ में जब आपका मन हो, तब निवेश कर सकते हैं।

स्मार्ट इनवेस्टर बनना चाहते हैं तो इन बातों को न करें अनदेखा

- निवेश के लिए बेस्ट इंडेक्स फंड का चुनाव करें
- कुछ जरूरी बातें निवेश को कई गुना बढ़ा सकती हैं
- इंडेक्स फंड का उद्देश्य बेंचमार्क इंडेक्स ट्रैक करना
- कम एक्सपेंस रेशियो वाले फंड लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न देते हैं

जानकारी

बिजनेस डेस्क

इंडेक्स फंड को इक्विटी यानी स्टॉक्स में निवेश करने का आसान और तुलनात्मक रूप से कम रिस्क वाला ऑप्शन माना जाता है। अलग-अलग इंडेक्स फंड शेयर बाजार के अलग-अलग इंडेक्स के प्रदर्शन को ट्रैक करते हैं, लेकिन कई बार निवेशकों के लिए सही इंडेक्स फंड का चुनाव करना भी आसान नहीं होता। खासकर उन हालात में जब बाजार में एक तरह के इंडेक्स को ट्रैक करने वाले कई ऑप्शन मौजूद हों। ऐसे में किसी स्मार्ट इनवेस्टर को निवेश के लिए बेस्ट इंडेक्स फंड का चुनाव करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इन दो पैमानों पर करें गौर

दरअसल, निवेश के लिए सही इंडेक्स फंड का सेलेक्शन करते समय जिन दो बातों या पैमानों पर ध्यान देना सबसे ज्यादा जरूरी है, वो हैं।

1. एक्सपेंस रेशियो
2. ट्रैकिंग एरर

इन दोनों पैरामीटर्स को सही ढंग से समझने के बाद आप इंडेक्स फंड का चुनाव करते समय बेहतर फैसला कर पाएंगे।

एक्सपेंस रेशियो पर ध्यान देना क्यों अहम

इंडेक्स फंड में निवेश करते समय सबसे पहले आपको उस फंड के एक्सपेंस रेशियो पर ध्यान देना चाहिए। एक्सपेंस रेशियो वह फीस है, जो म्यूचुअल फंड हाउस निवेशकों से चार्ज करता है।

कम एक्सपेंस रेशियो यानी ज्यादा मुनाफा

कम एक्सपेंस रेशियो वाले फंड लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न देते हैं, क्योंकि उनकी फीस कम होती है। उदाहरण के लिए, अगर एक फंड 0.10% फीस लेता है और दूसरा फंड 0.25%, तो पहले वाले फंड का रिटर्न बेहतर होगा, बशर्ते दोनों फंड अन्य सभी मामलों में समान हों।

सावधानी से करें निवेश का फैसला

अगर आप इंडेक्स फंड में निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो यह बात ध्यान में रखें कि ज्यादातर इक्विटी फंड्स की तरह ही इंडेक्स फंड भी उन निवेशकों के लिए सही होते हैं, जो लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं। साथ ही ये भी न भूलें कि पूरी तरह इक्विटी में निवेश करने की वजह से इनमें मार्केट रिस्क काफी रहता है। भले ही सीधे स्टॉक्स में निवेश करने की तुलना में यह रिस्क कम हो, लेकिन बाजार के उतार-चढ़ाव का इन पर सीधा असर पड़ता है। लिहाजा, इंडेक्स फंड में उन्हीं निवेशकों को पैसे लगाने चाहिए, जो रिस्क उठाने की क्षमता रखते हों।

लागत बचाएं, रिटर्न बढ़ाएं

जब आप लंबे समय तक निवेश करते हैं, तो छोटे-छोटे खर्च भी आपके रिटर्न को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, हमेशा कम खर्च वाले फंड का चयन करें।

ट्रैकिंग एरर को समझना भी है जरूरी

ट्रैकिंग एरर का मतलब है वह अंतर, जो किसी इंडेक्स फंड के प्रदर्शन और उसके बेंचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन के बीच होता है। सही इंडेक्स फंड का चुनाव करते सम. इस अंतर पर दौर करना भी जरूरी है।

कम ट्रैकिंग एरर यानी ज्यादा सटीक नतीजे

अगर किसी फंड का ट्रैकिंग एरर कम है, तो इसका मतलब है कि वह फंड अपने बेंचमार्क इंडेक्स को सही ढंग से ट्रैक कर रहा है। इससे निवेशक को इंडेक्स के बराबर या उससे बहुत नजदीकी रिटर्न मिलते हैं।

सटीक होने का महत्व

एक इंडेक्स फंड का मुख्य उद्देश्य अपने बेंचमार्क इंडेक्स को सही तरीके से ट्रैक करना है। इसलिए, आपको ऐसे फंड का चुनाव करना चाहिए, जिसका ट्रैकिंग एरर कम हो, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का पूरा लाभ उठाया जा सके।

इन बातों पर गौर करें

जटिलता से बचाव : इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर हैं, जो शेयर बाजार में निवेश करने से जुड़ी जटिल बातों से बचना चाहते हैं।

सरल और स्थिर रिटर्न

इंडेक्स फंड सीधे किसी खास इंडेक्स को फॉलो करते हैं, जिससे निवेशकों को स्टॉक मार्केट के उतार-चढ़ाव की चिंता कम होती है। यह फंड लंबी अवधि में बाजार के औसत प्रदर्शन के बराबर या उससे थोड़ा अधिक रिटर्न देते हैं।

जोखिम कम, लाभ ज्यादा

इंडेक्स फंड में जोखिम कम होता है, क्योंकि ये पूरे इंडेक्स को ट्रैक करने के कारण काफी डायवर्सिफाइड होते हैं।

कम खर्च का फायदा

पैसिव फंड होने के कारण इंडेक्स फंड का एक्सपेंस रेशियो आमतौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम होता है, जिससे कुल रिटर्न पर अच्छा असर पड़ता है।

बड़े कमाल के हैं ये फॉर्मूले

करोड़पति बनने में करते हैं मदद

- मिडिल क्लास लोग जब भी पैसे करें तो जानकारी ले लें
- निवेश पर मिलने वाले रिटर्न को भी कैलकुलेट करते रहे
- इन्वेस्टमेंट के 3 फॉर्मूलों के बारे में पता होना चाहिए
- ये तीन फॉर्मूले 72, 114 और 144 नंबर से जुड़े हैं

योजना

बिजनेस डेस्क

मिडिल क्लास लोग जब भी पैसे कहीं निवेश करते हैं, उस पर मिलने वाले रिटर्न को वह ऐसे कैलकुलेट करते हैं पैसे कितने गुना हो जाएंगे। अगर आप भी ऐसे ही अपने निवेश पर मिलने वाले रिटर्न को समझते हैं तो आपको इन्वेस्टमेंट के 3 फॉर्मूलों के बारे में पता होना चाहिए, जो ये समझने में आपकी मदद करेंगे कि आपका पैसा कितने दिनों में कितने गुना हो जाएगा। अगर आप इन फॉर्मूलों को इस्तेमाल करेंगे तो आसानी से समझ जाएंगे कि कब तक करोड़पति बन सकते हैं और उसके लिए कितने रुपये निवेश करने होंगे. ये तीन फॉर्मूले हैं 72, 114 और 144 नंबर से जुड़े हुए. आइए जानते हैं इनके बारे में।

क्या होता है फॉर्मूला 72

इसकी मदद से आप ये पता कर सकते हैं कि आपके पैसे किसी स्कीम में कितने दिनों में दोगुने हो जाएंगे। इस तरह रूल 72 का इस्तेमाल कर के आप ये जान सकते हैं कि आपको अपने फाइनेंशियल गोल को हासिल करने में कितना समय लगेगा। आपको संख्या 72 को अपने निवेश पर मिलने वाले ब्याज से भाग देना होगा और आपके लिए सब कुछ आसान हो जाएगा।

उदाहरण से ऐसे समझें

जब कभी गारंटी के साथ रिटर्न पाने की बात आती है तो अधिकतर लोग बैंक एफडी कराना पसंद करते हैं। मान लीजिए आपने किसी बैंक में 5 लाख की एफडी कराई है। यह भी मानते हुए चलते हैं कि यह बैंक आपको 7.25 फीसदी की दर से ब्याज दे रहा है। ऐसे में अगर आप 7.25 से संख्या 72 को भाग देंगे तो 9.93 आएगा। इसका मतलब है कि आपके पैसे दोगुने होने में 9.93 साल लगेंगे यानी करीब 119 महीने।

कितने दिन में पैसा रहेगा आधा?

जब बात आती है ये समझने की कि आपके पैसों की वैल्यू कितने वक्त में आधी रह जाएगी, तो भी आप फॉर्मूला नंबर 72 का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, ये समझने के लिए आपको एक औसत महंगाई दर पता होनी जरूरी है। मान लीजिए कि अभी महंगाई दर 6 फीसदी है, तो आपको अपने पैसों की वैल्यू के बारे में समझने के लिए 72 को 6 से भाग देना होगा। इस तरह आंकड़ा 12 आता है। यानी 12 साल में आपके पैसों की वैल्यू आधी हो जाएगी।

क्या होता है फॉर्मूला 114

इसकी मदद से आप ये पता कर सकते हैं कि आपके पैसे किसी स्कीम में कितने दिनों में तीन गुने हो जाएंगे। ऐसे में आप रूल 114 या यूं कहें कि फॉर्मूला 114 का इस्तेमाल कर के आप ये जान सकते हैं कि आपको अपने फाइनेंशियल टारगेट को हासिल करने में कितना समय लगेगा। इसके लिए आपको संख्या 114 को अपने निवेश पर मिलने वाले ब्याज से भाग देना होगा। इतना करते ही आपको पता चल जाएगा कि आपका निवेश कितने सालों में तीन गुना हो जाएगा।

एक उदाहरण से समझिए

वैसे तो जब भी गारंटी के साथ रिटर्न की बात होती है तो अधिकतर लोग बैंक एफडी कराना पसंद करते हैं, लेकिन कई लोग दूसरी जगहों पर भी निवेश करते हैं। मान लेते हैं कि आपने किसी बैंक में 5 लाख रुपए की एफडी कराई है। यह भी मान लेते हैं कि बैंक आपको निवेश पर 7.25 फीसदी की दर से ब्याज दे रहा है। ऐसे में अगर आप 7.25 से संख्या 114 को भाग देंगे तो 15.7 आएगा। इसका मतलब है कि आपके पैसे तीन गुने होने में 15.7 साल लगेंगे यानी करीब 186 महीने लग जाएंगे।

कितने दिन में पैसा रहेगा तिहाई

जब बात आती है ये समझने की कि आपके पैसों की वैल्यू कितने वक्त में एक तिहाई रह जाएगी, तो भी आप फॉर्मूला नंबर 114 का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये समझने के लिए आपको उस अवधि की औसत महंगाई दर पता होनी जरूरी है, जिस अवधि के लिए आप ये रिटर्न निकाल रहे हैं। मान लीजिए कि अभी महंगाई दर 6 फीसदी है, तो आपको अपने पैसों की वैल्यू के बारे में समझने के लिए 114 को 6 से भाग देना होगा. ऐसा करने पर आपके सामने 19 का आंकड़ा आता है। इसका मतलब हुआ कि आपके निवेश की वैल्यू 19 साल में एक तिहाई रह जाएगी।

क्या होता है फॉर्मूला 144

निवेश के फॉर्मूला 72 के बारे में हम पहले ही जान चुके हैं. रूल 72 का इस्तेमाल कर के आप ये जान सकते हैं कि आपके पैसे कितने दिनों में दोगुने हो जाएंगे। वहीं फॉर्मूला 114 के बारे में भी हम जान चुके हैं, जिससे ये पता चलता है कि आपके पैसे कितने दिनों में तीन गुना हो जाएंगे। फॉर्मूला नंबर 144 इन्हीं की अगली कड़ी है, जिससे ये पता चलता है कि आपका निवेश कितने दिनों में 4 गुना हो जाएगा। इसके लिए आपको इस संख्या को अपने निवेश पर मिलने वाले ब्याज से भाग देना होगा और आपके लिए सब कुछ आसान हो जाएगा।

एक उदाहरण से समझते हैं

वैसे तो जब भी गारंटी के साथ रिटर्न की बात होती है तो अधिकतर लोग बैंक एफडी कराना पसंद करते हैं, लेकिन कई लोग दूसरी जगहों पर भी निवेश करते हैं। मान लेते हैं कि आपने किसी बैंक में 5 लाख की एफडी कराई है। यह भी मान लेते हैं कि बैंक आपको निवेश पर 7.25 फीसदी की दर से ब्याज दे रहा है।

अलर्ट म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट, लॉन्ग टर्म में अनुशासित तरीके से कई वित्तीय लक्ष्य पूरे होंगे

एसआईपी में निवेशक एक साथ रकम लगाने की बजाए मंथली बेसिस पर अलग-अलग किस्तों में निवेश कर सकते हैं

हाइएस्ट रिटर्न वाली स्कीम, 10, 000 रुपये मंथली को बना दिया 1 करोड़, 15 वर्ष में 20 से 22 फीसदी तक की सालाना ग्रोथ दी

समझदारी

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करने वालों की भागीदारी इसी वजह से लगातार बढ़ रही है, क्योंकि हाई रिटर्न हासिल हो रहा है। म्यूचुअल फंड में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश को लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट के रूप में देखा जाता है। लॉन्ग टर्म में एसआईपी को अनुशासित तरीके से जारी रखकर अपने कई वित्तीय लक्ष्य पूरे किए जा सकते हैं। अगर आपको इसे लेकर जरा भी संदेह हो तो आप इक्विटी म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में मिलने वाले रिटर्न को चेक कर सकते हैं। बाजार में ऐसी कई स्कीम हैं, जो लंबे समय से हाई रिटर्न देती चली आ रही हैं। हमने यहां ऐसी 5 बेस्ट स्कीम के बारे में जानकारी दी है, जो 15 साल में एसआईपी या लम्प सम निवेश पर रिटर्न देने में चार्ट में टॉप पोजीशन पर हैं।

मिल रहा बढ़िया रिटर्न

म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करने वालों की भागीदारी इसी वजह से लगातार बढ़ रही है, क्योंकि इसमें हाई रिटर्न हासिल हो रहा है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेशक एक साथ रकम लगाने की बजाए मंथली बेसिस पर अलग-अलग किस्तों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड मार्केट में ऐसी कई स्कीम हैं, जिन्होंने बीते 15 साल में 20 फीसदी से 22 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि इनमें 10 हजार मंथली एसआईपी करने वाले करोड़पति बन गए, जबकि उनका कुल निवेश 18.50 लाख रुपये ही हुआ।

डीएसपी स्मॉल कैप फंड

डीएसपी स्मॉलकैप फंड ने बीते 15 साल में एसआईपी करने वालों को एनुअलाइज्ड 22.39 फीसदी रिटर्न दिया है. वहीं लम्प सम निवेश पर 15 साल में 22.29 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिला है।

एसआईपी कैलकुलेटर

- 15 साल एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 22.39%
- अफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 50,000 रुपये
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 15 साल में कुल निवेश : 18,50,000 रुपये
- 15 साल में एसआईपी की कुल वैल्यू : 1,28,34,414 रुपये

लम्प सम कैलकुलेटर

- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- ड्यूरेशन : 15 साल
- 15 साल में लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 22.29%
- 15 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 20,45,805 रुपये

एसबीआई कंजम्पशन अपॉर्च्यूनिटी फंड

एसबीआई कंजम्पशन अपॉर्च्यूनिटी फंड ने बीते 15 साल में एसआईपी करने वालों को एनुअलाइज्ड 20.07 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं लम्प सम निवेश पर 15 साल में 21.62 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिला है।

एसआईपी कैलकुलेटर

- 15 साल एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.07%
- अफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 50,000 रुपये
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 15 साल में कुल निवेश : 18,50,000 रुपये
- 15 साल में एसआईपी की कुल वैल्यू : 1,03,92,787 रुपये

लम्प सम कैलकुलेटर

- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- ड्यूरेशन : 15 साल
- 15 वर्ष में लंप सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.62%
- 15 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 18,83,974 रुपये

एचडीएफसी मिडकैप अपॉर्च्यूनिटी फंड

एचडीएफसी मिडकैप अपॉर्च्यूनिटी फंड ने बीते 15 साल में एसआईपी करने वालों को एनुअलाइज्ड 21.68 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं, लम्प सम निवेश पर 15 साल में 21.46 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिला है।

एसआईपी कैलकुलेटर

- 15 साल एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.68%
- अफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 50,000 रुपये
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 15 साल में कुल निवेश : 18,50,000 रुपये
- 15 साल में एसआईपी की कुल वैल्यू : 1,20,37,003 रुपये

लम्प सम कैलकुलेटर

- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- ड्यूरेशन : 15 साल
- 15 साल में लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.46%
- 15 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 18,47,137 रुपये

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल टेक्नोलॉजी फंड

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल टेक्नोलॉजी फंड ने बीते 15 साल में एसआईपी करने वालों को एनुअलाइज्ड 21.43 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं लम्प सम निवेश पर 15 साल में 21.24 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिला है।

एसआईपी कैलकुलेटर

- 15 साल एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.43%
- अफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 50,000 रुपये
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 15 साल में कुल निवेश : 18,50,000 रुपये
- 15 साल में एसआईपी की कुल वैल्यू : 1,17,63,508 रुपये

लम्प सम कैलकुलेटर

- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- ड्यूरेशन : 15 साल
- 15 साल में लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.46%
- 15 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 17,97,583 रुपये

एडेलवाइस मिडकैप फंड

एडेलवाइस मिडकैप फंड ने बीते 15 साल में एसआईपी करने वालों को एनुअलाइज्ड 22.17 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं लम्प सम निवेश पर 15 साल में 21.16 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिला है। यह फंड भी निवेश करने के लिए गेहमर साबित हो सकता है।

एसआईपी कैलकुलेटर

- 15 साल एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 22.17%
- अफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 50,000 रुपये
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 15 साल में कुल निवेश : 18,50,000 रुपये
- 15 साल में एसआईपी की कुल वैल्यू : 1,25,81,878 रुपये

लम्प सम कैलकुलेटर

- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- ड्यूरेशन : 15 साल
- 15 साल में लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.16%
- 15 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 17,79,873 रुपये

(डिस्क्लेमर : हमने यहां सिर्फ स्मॉलकैप फंड के रिटर्न के बारे में जानकारी दी है। यह निवेश की सलाह नहीं है। बाजार में रिस्क होते हैं, इसलिए एडवाइजर से सलाह लेकर ही निवेश का फैसला लें। एक बार खुद भी बाजार के बारे में जानकारी हासिल कर लें।)

देश में गणेशोत्सव की धूम, नेताओं से लेकर फिल्मी सितारों ने घर में गणपति बप्पा का किया स्वागत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश में शनिवार को 10 दिवसीय गणेश उत्सव की शुरुआत हुई, जिसमें देशभर में घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान की मूर्तियों की स्थापना धूमधाम और उल्लास के साथ की गई। बच्चों और बुजुर्गों सहित परिवार के लोग 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष और ढोल-नगाड़ों के बीच अपने प्रिय भगवान को घर लाने के लिए सुबह-सुबह ही अपने घरों से निकल पड़े। कई लोग भगवान गणेश की मूर्तियों को ऑटो, कार और अन्य परिवहन माध्यमों से ले जाते देखे गए। आम जनता, नेताओं से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री के तमाम सितारों को धूम-धाम से गणेश चतुर्थी मनाते हुए देखा गया। सभी ने अपने घर में गणपति बप्पा का स्वागत किया है।

श्रद्धा और उत्साह के साथ विराजे विनायक

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने दक्षिण मुंबई स्थित अपने सरकारी आवास 'वर्षा' पर धूमधाम से विनायक चतुर्थी का पर्व मनाया।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने आधिकारिक आवास 'सागर' में गणपति की पूजा-अर्चना की।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी गणेश जी की प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर राज्य की खुशहाली की प्रार्थना की।

गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर राज्य के लोगों के लिए सुखी जीवन की कामना की।

फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान ने भी मुंबई स्थित अपने घर पर गणपति बप्पा की स्थापना की।

खबर संक्षेप

बाल पुरस्कार: नामांकन की तिथि 15 सितंबर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के लिए नामांकन जमा करने की अंतिम

तिथि इस महीने की 15 तारीख है। ये पुरस्कार हर साल जनवरी में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जाते हैं और इस साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस पर इनकी घोषणा की जाएगी। पुरस्कार की वेबसाइट पर दाखिल करें।

10 लाख की रिश्वत लेता पकड़ा गया बिचौलिया

राजकोट। राजकोट में एक व्यक्ति से कथित रूप से 10 लाख रुपए रिश्वत के तौर पर लेते हुए एक

बिचौलिये के पकड़े जाने के बाद मुंबई के एक पुलिसकर्मी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गुजरात के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पठानकोट में बस पलटी 1 की मौत, 16 घायल

चंडीगढ़। पंजाब के पठानकोट में शनिवार को हिमाचल प्रदेश से आ रही एक बस के पलटने से एक

यात्री की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा बुंगल बधानी गांव के निकट हुआ।

भाजपा विधायक के डांस का वीडियो वायरल

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले की

गंगापुर सीट से भाजपा के विधायक प्रशांत बंब का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अभिनेता अमिताभ बच्चन के लोकप्रिय गाने 'खइके पान बनारस वाला' पर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। कुछ उपयोगकर्ता प्रशंसा कर रहे हैं, तो कुछ उनकी आलोचना।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जम्मू रैली कर हुंकार भरी

देश में एक ही संविधान और एक ही पीएम चुनाव के बाद जेएंडके को देंगे राज्य का दर्जा

एजेंसी ▶▶ जम्मू

अमित शाह ने कहा कि मैंने खुद सदन में कहा है कि चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर को स्टेट का दर्जा देंगे। जो चीज हमने दे ही दी है, वो चीज आप (नेशनल कांफेरेंस व कांग्रेस) मांग रहे हैं। लोगों को मूर्ख बना रहे हैं। मैं अब्दुल्ला साहब और राहुल बाबा से पूछना चाहता हूं कि आप जम्मू कश्मीर को स्टेट का दर्जा कैसे वापस देंगे?

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को जम्मू में एक चुनाव रैली को संबोधित किया। अमित शाह ने लोगों से कहा कि यह संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है। आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है। देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट डालेंगे। अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी से एक बात कहना चाहता हूं कि आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, हम गुज्जर, बकरवाल, पहाड़ी और दलितों के आरक्षण को छूने नहीं देंगे। जब तक शांति नहीं होगी, पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी।

बता दें, जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 18 सितंबर, दूसरे चरण में 25 सितंबर और तीसरे चरण में एक अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। मतगणना 8 अक्टूबर को होगी।

खास बातें

- आजादी के बाद पहली बार मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट डालेंगे
- जब तक शांति नहीं होगी, पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी

आगामी चुनाव ऐतिहासिक

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव है। जब से देश आजाद हुआ। पहली बार जम्मू कश्मीर का मतदाता दो झंडे नहीं, एक तिरंगे के नीचे अपना मतदान करेगा। पहली बार, दो संविधान नहीं, भारत के संविधान (जिसको बाबा साहेब आंबेडकर ने बनाया) के अंतर्गत मतदान होने जा रहा है। पहली बार, पूरे जम्मू कश्मीर सूबे में पीएम नहीं बैठ सकता, पीएम एक ही होता है। जिसे कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक की जनता चुन कर भेजती है और वो हैं हमारे प्रिय नेता पीएम नरेंद्र मोदी।

नेकां और कांग्रेस का विभाजनकारी एजेंडा उजागर

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हमने घर-घर जाकर नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) व कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे के प्रति लोगों को जागरूक किया है। इनके विभाजनकारी एजेंडे को उजागर किया है। लेकिन आज मैं आप सब के सामने आया हूं, क्योंकि मैं सर्वाधिक भरोसा आप पर करता हूं। क्योंकि मैं भी आपकी जमात वाला हूं, मैं भी बूथ अध्यक्ष रहा हूं।

तो आतंकवाद की वापसी

अमित शाह ने कहा कि अनुच्छेद-370 हटने से 70 साल के बाद जम्मू कश्मीर की माताओं-बहनों को अधिकार मिला है। नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस पार्टी ये अधिकार छीनना चाहती है। ये पत्थरबाजी व आतंकवाद में लिप्त लोगों को जेल से छोड़ना चाहती है ताकि जम्मू, पुंछ, राजौरी जैसे क्षेत्र जहां शांति है, वहां फिर से आतंकवाद आए।

आचार संहिता के उल्लंघन पर नौ प्राथमिकी दर्ज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए नौ प्राथमिकी दर्ज की गईं और पांच सरकारी कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने बयान कर यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि 23 चेतावनियां जारी की गईं और चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के 48 मामलों में जांच जारी है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता 16 अगस्त को लागू हुई थी। बयान में कहा गया है कि पूरे जम्मू-कश्मीर में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के 175 मामले सामने आए हैं, जिनमें राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के खिलाफ 96 और सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ 53 मामले शामिल हैं। हालांकि, 89 शिकायतें खारिज कर दी गई हैं क्योंकि ये 'निराधार और झूठी' पाई गईं। राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए श्रीनगर में अधिकारियों द्वारा पांच सरकारी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया।

कोलकाता रेप-मर्डर केस: सीबीआई वकील के 40 मिनट देर से पहुंचने पर -

नाराज जज बोले- क्या मैं राय को जमानत दे दूं!

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

आरजी कर अस्पताल के सिविक वालंटियर संजय राय की वर्चुअल माध्यम से सियालदह कोर्ट में पेशी हुई। इस दौरान वह रोने लगा। सीबीआई ने आरोपित की जमानत का विरोध किया। इसके बाद न्यायाधीश ने उसे 14 दिन की जेल हिरासत में भेज दिया। सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील के 40 मिनट देर से पहुंचने पर न्यायाधीश ने नाराजगी जताई।

सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील के 40 मिनट देर से पहुंचने पर न्यायाधीश ने नाराजगी जताई और उन्होंने गुस्से में सवाल किया कि क्या मैं आरोपी को जमानत दे दूं? दूसरी तरफ सीबीआई के अधिकारियों का कहना है कि वह संजय राय के खिलाफ सख्त चार्जशीट तैयार करने की प्रक्रिया में हैं, जिसका डीएनए पीड़िता के शरीर से एकत्र किए गए नमूनों से मेल खाता है।

डब्ल्यूबीएमसी ने घोष को दिया नोटिस

पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल (डब्ल्यूबीएमसी) ने शनिवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड

हॉस्पिटल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अगर घोष ने अगले 72 घंटे के अंदर नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया तो उनका रजिस्ट्रेशन कैंसिल किया जा सकता है। इससे पहले इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने घोष को एसोसिएशन से निलंबित करने की घोषणा की थी। इससे पहले, राज्य स्वास्थ्य विभाग ने भी घोष के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही के आधार पर राज्य चिकित्सा सेवाओं से उन्हें निलंबित करने की घोषणा की थी। 28 अगस्त को आईएमए ने घोष के निलंबन की घोषणा की थी।

मेडिकल स्टोर से खरीदे सोफा, फ्रिज

सीबीआई के सूत्रों का कहना है कि पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष ने अपने करीबी के हाजरा मेडिकल को सोफा सेट, रेफ्रिजरेटर आदि की खरीद के काम दिए। ये चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति से संबंधित नहीं थे। जांच में प्रथम दृष्टया खुलासा हुआ है कि डॉ. संदीप घोष के साथ गठजोड़ में शामिल होने के बाद सुमन हाजरा की फर्म का कारोबार 2021 से 2022 तक तीन गुना बढ़ गया था।

फिल्म निर्माण के सेट पर मौत

कन्नड़ फिल्मकार योगराज भट के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

शूटिंग के दौरान 30 फुट की सीढ़ी से गिरने के बाद फिल्म निर्माण टीम से जुड़े एक सदस्य की मौत के मामले में कन्नड़ फिल्मकार योगराज भट और तीन अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यह घटना तीन सितंबर को मदनायकनहल्ली थाना क्षेत्र के दासनपुरा में अदकमरनहल्ली के पास 'मनदा कदलु' नामक कन्नड़ फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 'लाइट बॉय' मोहन कुमार (24) फिल्म की शूटिंग के दौरान सीढ़ी से गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। कुमार को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि

कुमार के भाई से मिली शिकायत के आधार पर भट और सहायक निर्देशक तथा निर्माता समेत तीन अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि हमने प्राथमिकी में नामजद लोगों को नोटिस भेजा है और जांच की जा रही है। फिल्म इंडस्ट्री फॉर राइट्स एंड इक्वैलिटी' (एफआईआरई) ने कुमार के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

5 अक्टूबर को होगी सुनवाई

संजौली मस्जिद पर हमारा मालिकाना हक: वक्फ बोर्ड

एजेंसी ▶▶ शिमला

वक्फ बोर्ड ने शनिवार को शिमला की एक अदालत में कहा कि संजौली कॉलोनी स्थित विवादित मस्जिद का मालिकाना हक उसी का है और विवाद केवल इसके अन्य मुद्दों को लेकर है। शिमला नगर निगम आयुक्त की अदालत ने मस्जिद मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और अगली सुनवाई पांच अक्टूबर के लिए तय की।

हिमाचल प्रदेश वक्फ बोर्ड के राज्य अधिकारी कुतुबुद्दीन अहमद ने कहा कि निगम आयुक्त की अदालत ने 2023 में वक्फ बोर्ड को नोटिस भेजा था और पिछली सुनवाई के दौरान जवाब पेश किया गया था। उसके बाद एक और समन जारी किया गया था और हमने शनिवार को अपने वकील के माध्यम से जवाब पेश किया। क्षेत्र के लोग 'अनधिकृत मस्जिद' को ध्वस्त

करने की मांग कर रहे हैं।

यह मामला पिछले 14 वर्षों से अदालत में विचाराधीन है, लेकिन निकटवर्ती मल्याणा क्षेत्र में झगड़े के दौरान एक व्यापारी पर कुछ मुस्लिम युवकों द्वारा कथित रूप से हमला किए जाने के बाद बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए और मस्जिद को ध्वस्त किए जाने की मांग की जाने लगी।

तीन मंजिला इमारत ढहने से एक की मौत

लखनऊ। यूपी के लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में शनिवार शाम हरमिलापा नामक एक तीन मंजिला इमारत ढह गई। 13 लोगों को बचाया गया जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक जसमीत साहनी का इमारत में दवा का गोदाम संचालित करता था। पुलिस के साथ दमकल की टीम ने राहत बचाव का काम शुरू कर दिया है। करीब एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं, यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले के छोलस गांव में भारी बारिश के कारण एक घर की छत ढह गई। इस घटना में सात लोग जख्मी हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है।

वक्फ संशोधन विधेयक पारित कराने में नहीं आएगी परेशानी

राज्यसभा में एनडीए के पास 119 सांसद, इसमें 6 मनोनीत शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मोदी सरकार ने हाल ही में वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किया। इसके बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 के लिए जेपीसी का गठन किया गया। इसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई दलों के 21 सांसदों को शामिल किया गया है। विधेयक को लेकर लगातार हंगामा हो रहा है। हालांकि, एनडीए के पास लोकसभा में बहुमत है, लिहाजा उसे इस विधेयक को यहां पास कराने में कोई दिक्कत नहीं होगी। वहीं, राज्यसभा की बात करें तो उसके पास छह नामित सदस्यों के समर्थन के साथ मामूली बहुमत है, जिससे कहीं न कहीं उच्च सदन का भी रास्ता साफ है।

हाल ही में हुए उपचुनावों के बाद वर्तमान में राज्यसभा में 234 सांसद हैं। इसमें भाजपा के 96 सदस्य और इसके सहयोगी दलों के साथ यह संख्या 113 है। छह मनोनीत सदस्यों को मिलाकर एनडीए के सांसदों की संख्या 119 हो जाती है, जो 117 के बहुमत के आंकड़े से दो अधिक है।

खास बातें

- एनडीए बहुमत के आंकड़े से दो अधिक
- कांग्रेस के सहयोगी दलों के 58 सदस्य

कांग्रेस के 27 सदस्य

राज्यसभा में कांग्रेस के 27 सदस्य हैं और इसके सहयोगी दलों के 58 सदस्य हैं। इनके जुड़ने से विपक्षी गठबंधन के सदस्यों की संख्या 85 हो गई है। प्रमुख तटस्थ दलों में 9 सदस्यों वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और सात सदस्यों वाली बीजद शामिल हैं। अन्नाद्रमुक के 4 सदस्य, 5 निर्दलीय और छोटे दलों के अन्य सांसद हैं, जो दोनों बड़े समूहों में से किसी से भी नहीं जुड़े हैं।

जम्मू-कश्मीर की चार सीटें खाली

जम्मू-कश्मीर से उच्च सदन में चार सीटें खाली हैं क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश को अभी तक अपनी पहली विधानसभा नहीं मिली है। इससे राज्यसभा की प्रभावी संख्या घटकर 241 रह गई है। फिलहाल 11 सीटें खाली हैं। इसमें से जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश और नामित में चार-चार खाली हैं। वहीं ओडिशा में एक सीट खाली है। वाईएसआरसीपी के दो और बीजद के एक सदस्य ने हाल ही में राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव, थम नहीं रही बगावत

पहली सूची आते ही कांग्रेस में भी उबाल

भाजपा में 72 और नेताओं के इस्तीफे, रूठों को मना रहे

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

विधानसभा चुनाव के टिकट के लिए भाजपा में 4 सितंबर से शुरू हुई बगावत थमने का नाम नहीं ले रही। तीसरे दिन भी पदाधिकारियों का इस्तीफा देने का सिलसिला और विरोध जारी रहा। शुक्रवार को पार्टी के 72 नेताओं और सदस्यों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उधर, भाजपा ने अलग-अलग स्तर पर रूठों को मनाना शुरू कर दिया है।

पूर्व मंत्री कर्णदेव कांबोज को दिल्ली बुलाया गया है। सावित्री

जिंदल भी दिल्ली पहुंच गई हैं। वह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सकती हैं।

उधर, सीएम नायब सिंह सैनी ने रोहतक स्थित प्रदेश कार्यालय में बैठक के बाद साफ कर दिया कि टिकट किसी की भी बदली नहीं जाएगी। समझाया कि कमल का फूल एक ही है। मिलकर चुनाव में काम करें।

कांग्रेस में प्रत्याशियों की सूची आने के पहले ही दिन विरोध के स्वर उठने लगे हैं। हिसार से दिल्ली पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय पर हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया की गाड़ी के सामने नारेबाजी की। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम सौंपे पत्र में कहा कि पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ेला और नरेश सेलवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)